MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | शनिवार, 12 सितंबर, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-252

हथियार चोर!

अब बड़ा सवाल अकेला था या पीछे कोई?

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 11 सितंबर

सिकंदराबाद स्थित बोलारम में 20 बटालियन मद्रास रेजिमेंट की आर्मरी से हथियार और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद चोरी के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। तेलंगाना के डीजीपी सी.वी. आनंद ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में सेना के पूर्व हवलदार उप्पुतोल्ला मल्लेश (37) को गिरफ्तार किया है। बोलारम पुलिस, हैदराबाद सिटी पुलिस टास्क फोर्स और एसओटी मल्काजगिरी कमिश्नरेट की संयुक्त टीम ने 11 सितंबर को कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। ऑपरेशन का नेतृत्व त्रिमुलघेरी डिवीजन के एसीपी जी. रमेश ने किया।

पुलिस के अनुसार मल्लेश सत्यनारायण का बेटा है और नागरकुरनूल जिले के अमराबाद क्षेत्र के जंगम रेड्डीपल्ली का रहने वाला है। वह वर्ष 2010 में भारतीय सेना में भर्ती हुआ था और करीब 16 वर्ष तक 20 बटालियन मद्रास रेजिमेंट में तैनात था । वह 30 जून 2026 को सेना से सेवानिवृत्त हुआ। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सेवा से समय से पहले सेवानिवृत्ति को लेकर नाराजगी हथियार चोरी के पीछे संभावित वजह रही।

पुलिस के मुताबिक 30 और 31 अगस्त की दरम्यानी रात करीब 11 बजे मल्लेश 20 बटालियन मद्रास रेजिमेंट, बोलारम परिसर में पहुंचा और कोटे रूम तथा मैगजीन रूम से हथियार और गोला-बारूद चोरी कर लिया। चोरी किए गए सामान में कोटे-हेडक्वार्टर से चार एके--203 7.6239 एमएम राइफलें और पांच मैगजीन, एक 5.56 एमएम आईएनए-सएएस 1बी1 राइफल और तीन मैगजीन, छह 9 एमएम ऑटो 1ए पिस्तौल और 12 मैगजीन शामिल हैं। इसके अलावा एक सिविलियन 6.35 बोर पिस्तौल, उसकी मैगजीन और एक पैसिव नाइट-विजन दूरबीन भी चोरी की गई।

हथियारों के साथ बड़ी मात्रा में गोला-बारूद भी गायब किया गया। पुलिस के अनुसार 9 एमएम ऑटो 1ए पिस्तौल के 1,156 राउंड, एके -203 के 720 राउंड और 5.56 एमएम आईएनएसएएस के 36 राउंड चोरी हुए। आईएनएसएएस के गोला-बारूद में 11 बॉल राउंड, पांच ट्रेसर राउंड और 20 ब्लैंक राउंड शामिल थे। इस तरह आर्मी की सुरक्षित व्यवस्था से अत्याधुनिक हथियारों के साथ बड़ी मात्रा में कारतूस बाहर चले जाने से सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए थे।

शिकायत मिलने के बाद बोलारम पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305 के तहत मामला दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एसीपी स्तर के अधिकारी ने जांच अपने हाथ में ली। इसके बाद बोलारम पुलिस के साथ हैदराबाद सिटी पुलिस टास्क फोर्स और एसओटी मल्काजगिरी कमिश्नरेट की टीमें जांच में जुटीं।

पुलिस को मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए मल्लेश को उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और जांच के दौरान सामने आया कि उसने चोरी किए गए हथियार और गोला-बारूद काउकूर, यापराल और नागरकुरनूल जिले के अचमपेट में अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे थे। पुलिस ने इन स्थानों से चोरी का हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। मल्लेश को 11 सितंबर को गिरफ्तार करने के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। ▶8पर

अब 24 घंटे खुल सकेंगी दुकानें, मॉल और रेस्तरां

गुज'रात' बाज़ार

अहमदाबाद, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

गुजरात में दुकानें, मॉल, रेस्तरां, होटल, कैफे, गैरेज और शोरूम जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठान अब 24 घंटे खुले रखे जा सकेंगे। राज्य सरकार ने गुमास्ता धारा (दुकान और प्रतिष्ठान अधिनियम) से संबंधित कानून में इसके लिए महत्वपूर्ण संशोधन किया है। विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन पेश किए गए इस संशोधन के बाद केवल समय-सीमा के आधार पर पुलिस या स्थानीय अधिकारी ऐसे प्रतिष्ठानों को बंद नहीं करवा सकेंगे।

हालांकि, स्वच्छता, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। मौजूदा व्यवस्था के तहत महानगर पालिका क्षेत्र, अस्पताल, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे स्टेशन, पेट्रोल पंप और बस स्टेशन जैसे कुछ इलाकों को छोड़कर दुकानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के समय पर पाबंदियां थीं।

नगर पालिका और राज्य राजमार्ग वाले इलाकों में रात 2 बजे से सुबह 6 बजे तक तथा अन्य इलाकों में रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक दुकानें बंद रखने का नियम था। नए संशोधन के बाद यह समय-सीमा खत्म हो जाएगी। दुकानें 24 घंटे खुली रखी जा सकेंगी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कर्मचारियों से लगातार काम लिया जा सकेगा। कर्मचारियों के काम के घंटे, छुट्टी और सुरक्षा सहित उनके कानूनी अधिकारों से जुड़े प्रावधान पहले की तरह ही लागू रहेंगे।

नियमों को सरल, तेज और उद्योग-अनुकूल बनाने पर जोर

गुजरात विधानसभा में उद्योग राज्य मंत्री डॉ. जयराम गामित ने कहा कि राज्य में उद्योग-व्यवसाय से जुड़ी नियामक प्रक्रियाओं को अधिक सरल, तेज, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाने के लिए गुजरात ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026 पारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य उद्योगों और नागरिकों पर अनावश्यक नियामक बोझ कम करना, प्रक्रियाओं को सरल बनाना, स्व-घोषणा और स्व-प्रमाणीकरण को बढ़ावा देना तथा जोखिम-आधारित और प्रौद्योगिकी-आधारित प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करना है। कम जोखिम वाली गतिविधियों में अनिवार्य पूर्व-मंजूरी और भौतिक संपर्क की आवश्यकता को कम करके विश्वास-आधारित शासन की ओर बढ़ने की दिशा इस विधेयक में दिखाई गई है।

इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य नियंत्रण-आधारित शासन से विश्वास और जोखिम-आधारित शासन की ओर बढ़ना है। इस विधेयक के माध्यम से राज्य के पांच अलग-अलग कानूनों की 12 संशोधनात्मक धाराओं को एक ही दायरे में लाकर कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और सदन का समय बचाया गया है। विकसित गुजरात से विकसित भारत 2047 के संकल्प, गुजरात औद्योगिक नीति-2026 और आगामी 11वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2027 की पृष्ठभूमि में ये सुधार निवेशकों का भरोसा बढ़ाएंगे।

बिल के तहत प्रस्तावित मुख्य कानूनी सुधार

अग्नि सुरक्षा मानकों को जोखिम और कार्य-निष्पादन पर आधारित बनाया गया है। स्थानीय परिस्थितियों और इमारत के प्रकार के अनुसार नियमों को अनुकूल बनाकर अनुपालन लागत को कम किया जाएगा। स्व-घोषणा और स्व-प्रमाणीकरण के माध्यम से पंजीकरण आसान हो जाएगा। ▶8पर

मोदी-ब्रिक्स स्टार्टअप

आओ एक-दूसरे के बाज़ारों में

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

वैश्विक व्यापार की राह में बढ़ रही बाधाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ब्रिक्स देशों से समूह के बीच व्यापार की राह में बड़ी बाधाओं को हटाने और आपस में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रोत्साहित करने की अपील की है।

उन्होंने ब्रिक्स के उद्योग-व्यवसाय जगत से समूह के बीच ऐसी 10 शीर्ष बाधाओं को हटाने के बारे में रिपोर्ट तैयार करने और हर वर्ष 100 ब्रिक्स स्टार्टअप को दूसरे बाजारों में विस्तार करने में मदद करने का आह्वान किया। श्री मोदी भारत की अध्यक्षता में राजधानी में कल से शुरू हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले यहां भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, आज जब ब्रिक्स अपने तीसरे दशक में प्रवेश कर रहा है, ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल से मेरा आग्रह रहेगा, ▶8पर

जी-7 पर निशाना : ब्रिक्स है बड़ी ताक़त

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को जी-7 पर निशाना साधते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था में जी-7 की घटती हिस्सेदारी की तुलना ब्रिक्स की बढ़ती आर्थिक ताकत से की। ब्रिक्स बिजनेस समिट 2026 को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में जी-7 देशों की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है, जबकि ब्रिक्स सदस्यों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। पुतिन ने इस समूह की अहमियत पर सवाल उठाते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि वे उन्हें ऐसा क्यों कहते हैं। बता दें कि जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और कनाडा शामिल हैं।

पुतिन ने ब्रिक्स को दुनिया का सबसे ताकतवर आर्थिक समूह बताया और कहा कि जैसे-जैसे वैश्विक व्यवस्था बदल रही है, वैसे-वैसे इसके सदस्य देशों की ताकत और उनका प्रभाव भी बढ़ता जा रहा है।

रूसी राष्ट्रपति ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया एक बड़े आर्थिक बदलाव से गुजर रही है और ब्रिक्स समूह से बाहर के देशों के साथ सहयोग करने के लिए भी तैयार है।

रूसी राष्ट्रपति ने पश्चिमी देशों पर ब्रिक्स देशों को कमजोर करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है। पुतिन ने कहा, 'ब्रिक्स के पश्चिमी प्रतिस्पर्धी अपनी पुरानी बढ़त को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं और यह संघर्ष सरकारी स्तर पर एक अनुचित मोड़ ले रहा है।' ▶8पर

पुतिन को खास भेंट : मोदी ने दी तिरुवल्लुवर की महान कृति

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को महान तमिल पुस्तक तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद भेंट किया। नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के बीच भारत मंडपम में मुलाकात हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल संत तिरुवल्लुवर की पुस्तक 'तिरुक्कुरल' का रूसी अनुवाद पुतिन को भेंट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को यह पुस्तक भेंट करते हुए इसके बारे में जानकारी दी और कहा कि हमारे सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाने में इस पुस्तक की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को यह पुस्तक भेंट करते हुए कहा कि संत तिरुवल्लुवर ने इस किताब में मानव जीवन की अनेक विशेषताओं को बताया है। इसी पुस्तक का रूसी भाषा में अनुवाद हुआ है। मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक जनसंपर्क बढ़ाने ▶8पर

लोकल करेंसी हो : पियूष गोयल बोले-नियम आसान बनाएँ

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहुंच चुके हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात भी हुई है। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शनिवार को आएंगे और प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। इस बीच, ब्रिक्स बिजनेस फोरम में बोलते हुए देश के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिक्स देशों से एक बड़ी अपील की है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 24°

सऊदी पीठ में छुर्रा

पाक-अमेरिका ने हाथ खड़े किये

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

हूतियों से जंग लड़ रहे सऊदी अरब को कड़वे अनुभव का सामना करना पड़ रहा है। हूती विद्रोही सऊदी अरब पर तो भारी पड़ ही रहे हैं, सऊदी को मदद का दावा करने वाले उसके रक्षा साझेदार भी मुंह मोड़ते नजर आ रहे हैं। पहले तो पाकिस्तान मक्का समझौते के अपने वादे से पीछे हट गया और हूतियों पर हमले से मुकर गया। इसके बाद क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अपने विश्वस्त रक्षा साझेदार अमेरिका का दरवाजा खटखटाया, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किसी भी तरह की सीधी अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से इनकार करके सारी उम्मीदें खत्म कर दीं। इन घटनाओं ने एक बार फिर पाकिस्तान और अमेरिका के अप्रत्याशित रवैये को उजागर कर दिया है।हूती विद्रोहियों और सऊदी समर्थित यमनी सेनाओं के बीच टकराव बढ़ने पर सऊदी अरब ने ट्रंप से मदद मांगी।

गुरुवार को विद्रोहियों ने लाल सागर के अहम बंदरगाह मोखा पर कब्जा कर लिया, जिससे वे बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के और करीब पहुंच गए। इससे एक और अहम समुद्री व्यापार मार्ग पर खतरा पैदा हो गया है, जबकि अमेरिका-ईरान टकराव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति भी अनिश्चित बनी हुई है। ▶8पर

ईडी की बड़ी कार्रवाई : हरीश रावत के पीए पर रेड

देहरादून, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड की 2016 की ग्राम पंचायत विकास अधिकारी परीक्षा में कथित गड़बड़ी से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि उसने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के निजी सहायक चंदन सिंह जीना के ठिकाने पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई धनशोधन की जांच के तहत की गई। ईडी के मुताबिक, गुरुवार को देहरादून में कई जगहों पर छापेमारी की गई। इन ठिकानों में चंदन सिंह जीना के अलावा उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसए-सएससी) के तत्कालीन अध्यक्ष, सचिव और परीक्षा नियंत्रक से जुड़े परिसर भी शामिल थे। इसके अलावा उत्तर पुस्तिका (ओएमआर शीट) की प्रक्रिया का काम करने वाली निजी कंप्यूटर एजेंसी के मालिक और कथित बिचौलियों के ठिकानों पर भी तलाशी ली गई। ईडी ने चंदन सिंह जीना के आवास से 32 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी बरामद करने का दावा किया है। इसके साथ करीब 200.5 ग्राम वजन के सोने के सिक्के और चेन भी मिली हैं। एजेंसी के अनुसार, 12 लग्जरी कलाई घड़ियां भी बरामद की गईं। इनमें रोलेक्स, राडो, पियाजे, मोवाडो, टिसॉट और कैसियो एडिफाइस जैसे ब्रांड की घड़ियां शामिल हैं।

चंदन सिंह जीना इस समय हरीश रावत के निजी सहायक के तौर पर काम कर रहे हैं। इससे पहले वह 2014 से 2017 के बीच हरीश रावत के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के पद पर भी रह चुके हैं। ईडी की कार्रवाई के बाद चंदन सिंह जीना या हरीश रावत की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। ईडी ने बताया कि चंदन सिंह जीना और उनके परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में मौजूद 52.16 लाख रुपये की रकम को फ्रीज कर दिया गया है। इसके अलावा चंदन सिंह जीना का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। एजेंसी अब मोबाइल की फोरेंसिक जांच करेगी। ▶8पर

ईरान का होर्मुज में अमेरिकी सेलड्रोन जहाज पर हमला, हूती के मोचा पर कब्जे से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चिंतित

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) का कहना है कि उसकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका के सेलड्रोन टाइप के बिना चालक वाले जहाज पर हमला उसके इरादों को विफल कर दिया। इस बीच ईरान के प्रबल समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के अहम शहर मोचा पर कब्जा कर लिया है। हूती के इस कदम से चिंतित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने यमन में एक बैठक की है।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड आपरेशंस सेंटर का कहना है कि उसे ओमान के तट के पास दो जहाजों पर प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या राकेट जैसे हथियार) लगने की सूचना मिली है। उधर, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के अहम शहर मोचा पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही हूती ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों में से एक रणनीतिक रूप से अहम बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस कब्जे के आलोक में यमन में एक बैठक की है। संयुक्त राष्ट्र में यमन सरकार के प्रतिनिधि ने कहा कि क्षेत्र में पड़ोसी देशों और नागरिकों के खिलाफ हूती आतंकवादी समूह की आक्रामकता बढ़ गई है। सऊदी अरब के संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि, अब्दुल अजीज अल-वासिल ने कहा कि उनका देश हूती के हमलों को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर अपनी सुरक्षा की रक्षा करेगा।

पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि ने कहा कि यमन में बढ़ते संघर्ष के व्यापक क्षेत्र के लिए संभावित रूप से दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने त्वरित राजनयिक समाधान का आग्रह किया। इसके बाद ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया। उसने कहा कि यमन को दबाव, डराने-धमकाने और बेरहम घेराबंदी से मुक्त होकर सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार है। दुनिया को उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान करना चाहिए।ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम में प्रसारित मंत्रालय के बयान में कहा गया कि लगातार घेराबंदी और सैन्य मदद से यमन से जुड़े मुद्दों का समाधान नहीं होगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ईरान, यमन के हालात के संबंध में कूटनीतिक प्रयास करने के लिए तैयार है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान मध्यावधि चुनाव को प्रभावित करने के लिए बेताब है।

न्यूज ब्रीफ

म्यूजियम से गायब हुआ विलेना का 3 हजार साल पुराना खजाना

मैड्रिड। पुरातत्वविदों की स्पेन के विलेना शहर में ट्रेजर आफ विलेना की चोरी ने चिंता बढ़ा दी है। चोर कुछ ही मिनटों में म्यूजियम से कांस्य युग की करीब 3,000 साल पुरानी ऐतिहासिक धरोहर के कई हिस्से लेकर फरार हो गए। वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी चिंता यही है कि ऐतिहासिक महत्व की इन वस्तुओं को नुकसान पहुंचने से पहले बरामद किया जा सके। घटना सुबह करीब 5:16 बजे शुरू हुई। पहले विलेना के एक स्पोर्ट्स सेंटर का अलार्म बजा। पुलिस वहां पहुंचकर जांच में जुटी ही थी कि करीब दो किलोमीटर दूर स्थित विलेना म्यूजियम में भी अलार्म बज उठा। पुलिस के म्यूजियम पहुंचने तक चोर वारदात को अंजाम देकर निकल चुके थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि स्पोर्ट्स सेंटर का अलार्म पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए जानबूझकर सक्रिय किया गया था। यह खजाना वर्ष 1963 में पुरातात्विक खुदाई के दौरान मिला था। इसमें करीब 10 किलोग्राम सोना, चांदी के बर्तन और अंबर से बने आभूषण शामिल हैं। हालांकि, इसकी सबसे असाधारण खासियत इसमें मौजूद लोहे की वस्तुएं हैं। वर्ष 2023 में एक शोध से पता चला था कि इनमें इस्तेमाल किया गया लोहा धरती का सामान्य लोहा नहीं, बल्कि उल्कापिंड से आया था। यानी कांस्य युग के लोगों ने करीब 3,000 साल पहले अंतरिक्ष से धरती पर आए लोहे का इस्तेमाल आभूषण बनाने में किया था। चोरों ने सोने और दूसरी कीमती वस्तुओं के साथ एक बहुमूल्य धातु की वस्तु भी उठा ली, लेकिन एक साधारण और जंग लगी दिखने वाली लोहे की कड़ी को वहीं छोड़ दिया। यही कड़ी वैज्ञानिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि इसमें उल्कापिंड से प्राप्त लोहा इस्तेमाल हुआ है।

दुनिया में 10 सेंट के छोटे से सिक्के ने मचा दिया तहलका

न्यूर्याक। अमेरिका में 10 सेंट का एक ऐतिहासिक सिक्का 11.81 करोड़ में रुपए में बिका। खास बात यह है कि दुनिया में अब यह सिक्के मात्र 9 ही बचे हैं। दुर्लभ सिक्कों की दुनिया में छोटे से 10 सेंट के सिक्के ने तहलका मचा दिया है। 1894 में ढाला गया बेहद दुर्लभ एस-डाइमसिक्का, जिसे बारबर डाइम भी कहा जाता है, हाल ही में 12.5 लाख डालर यानी करीब 11.81 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ। एक सितंबर को स्टैक्स बोवर्स गैलरीज की नीलामी में पेश किए गए इस सिक्के के लिए कलेक्टर्स के बीच जबरदस्त होड़ देखने को मिली। खास बात यह है कि यह सिक्का अब तक केवल चार बार नीलामी में पेश किया गया है। इस सिक्के की दुर्लभता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 1894 में ऐसे सिर्फ 24 सिक्के ढाले गए थे और अब पूरी दुनिया में इनमें से केवल नौ सिक्के ही बचे हैं। इसे अमेरिका के 100 महानतम सिक्कों की एक प्रमुख गाइड में चौथा स्थान भी दिया गया है। सिक्के को यूनाइटेड स्टेट्स ब्यूरो आफ द मिंट के चीफ एन्ग्रेवर चार्ल्स ई. बारबर ने डिजाइन किया था। उन्हीं के नाम पर इसे बारबर डाइम कहा जाता है।

कांगो में लगी आग में 27 बच्चों की मौत, दो स्कूल, 300 घर राख

किंशासा (कांगो)। अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में स्थित बुकावु शहर में लगी आग में कम से कम 27 बच्चों (19 लड़कियां और 8 लड़के) की मौत हो गई । आग में 300 घर और दो स्कूल राख हो गए। सुद-किवु प्रांत की राजधानी बुकावु पर रवांडा की सेना और उसके एम23 मिलिशिया का कब्जा है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की आधिकारिक सरकारी समाचार एजेंसी एजेंस कांगोलीज डी प्रेसे (एसीपी) की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एसीपी ने कहा कि अस्पताल और स्कूल के सूत्रों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, 29 लोग घायल भी हुए हैं। इनमें से 17 का इलाज कदुतु जनरल हास्पिटल में और 12 का कदुतु प्रोविंशियल जनरल रेफरल हास्पिटल में चल रहा है। स्कूल के सूत्रों के अनुसार, 300 से ज्यादा घरों में आग लगा दी गई। दो स्कूल – बागीरा कम्यून में ईपी मोसाला और कदुतु कम्यून में ईपी नोंगों भी प्रभावित हुए हैं। आग कैसे लगी, इसके सही कारणों का तुरंत पता नहीं चल सका।

नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण के लिए 7.23 लाख करोड़ रुपये की जरूरत का अनुमान

काठमांडू

पिछले माह 26 अगस्त को तिब्बत से भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 7.23 लाख करोड़ नेपाली रुपये की जरूरत होने का अनुमान लगाया गया है। सरकार की रैपिड डैमेज एंड नीड्स असेसमेंट (आडीएनए) रिपोर्ट के अनुसार, भोटेकोशी बाढ़ से क्षतिग्रस्त भौतिक बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 23 अरब 31 करोड़ 52 लाख रुपये की आवश्यकता होगी।

अब तक 1,377 लोगों की जान ले चुकी इस विनाशकारी बाढ़ ने रसुवा, नुवाकोट और धादिंग समेत कई क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ में लोगों के घर, खेत, कारोबार, सड़कें, पुल, ड्राई पोर्ट, मालवाहक कंटेनर और सीमा नाके पर पहुंचे वाहन तक बह गए। राष्ट्रीय योजना आयोग और राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण समेत विभिन्न निकायों की संयुक्त तकनीकी टीम ने यह प्रारंभिक आकलन तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित बुनियादी ढांचा क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 4 खरब 3 अरब 57 करोड़ 19 लाख रुपये की जरूरत होगी, जो कुल पुनरुद्धार आवश्यकता का करीब 75 प्रतिशत है। ऊर्जा क्षेत्र को सबसे ज्यादा नुकसान: बाढ़ से ऊर्जा और सड़क बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। 759 मेगावाट क्षमता वाली 13 जलविद्युत परियोजनाएं और 24 मेगावाट क्षमता के 5 सौर संयंत्र प्रभावित हुए हैं। ऊर्जा और ग्रिड प्रणाली के पुनरुद्धार के लिए अकेले 3 खरब 90 अरब 62 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इसी तरह 69 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। 33 मोटरेबल पुल बह गए, जबकि चार पुलों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के 64 झूला पुलों में से 53 क्षतिग्रस्त हुए हैं। पूरे परिवहन बुनियादी ढांचे के पुनरुद्धार के लिए 73 अरब 34 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपये की जरूरत होगी। 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्त: बाढ़ ने सामाजिक और उत्पादन क्षेत्रों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन में 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा 48 सरकारी भवन, 18 स्कूल, 7 स्वास्थ्य संस्थान और 30 सांस्कृतिक विरासत स्थल प्रभावित हुए हैं। इन क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 1 खरब 3 अरब 54 करोड़ 99 लाख रुपये की जरूरत होगी। व्यापार, व्यवसाय, बैंकिंग और कृषि समेत उत्पादक क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 50 अरब 77 करोड़ 49 लाख रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इस क्षेत्र में 1,806 हेक्टेयर कृषि फसल, 17 बैंक शाखाएं और 4,800 व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। पांच जिलों के 15 प्रभावित स्थानीय निकायों में से केवल नुवाकोट के विदुर नगरपालिका क्षेत्र में 3,026 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। रिपोर्ट में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और नदी प्रबंधन के लिए 94 अरब 75 करोड़ 31 लाख रुपये, जबकि कीचड़ और मलबा प्रबंधन के लिए 51 करोड़ 54 लाख रुपये की जरूरत बताई गई है। दो चरण में होगा पुनर्निर्माण: रिपोर्ट के अनुसार पुनर्निर्माण को दो चरणों में बांटा गया है। अगले छह महीनों में तत्काल राहत और अल्पकालीन पुनर्निर्माण के लिए 8 अरब 73 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। वहीं दीर्घकालीन पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 14 अरब 58 करोड़ 2 लाख रुपये की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण के वरिष्ठ डिविजनल इंजीनियर और समिति के सदस्य सुशील कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि संबंधित मंत्रालयों, विभागों और निकायों से आंकड़े और विवरण जुटाकर उनका विश्लेषण किया गया है। इसके आधार पर नुकसान और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की गई है।

पीडीएनए प्रक्रिया शुरू, तीन महीने में रिपोर्ट आने की उम्मीद: सरकार ने आपदा के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए पोस्ट-डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय योजना आयोग ने इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है। आयोग के प्रवक्ता हरिशरण पुडासैनी के अनुसार, करीब तीन महीने में पीडीएनए रिपोर्ट तैयार हो सकती है। फिलहाल आयोग प्रश्नावली तैयार करने और फील्ड में जाकर विस्तृत अध्ययन करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण की ओर से प्रारंभिक चरण का रैपिड डैमेज एंड लास असेसमेंट पूरा कर रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। अब उसी के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

किस क्षेत्र के लिए कितनी राशि चाहिए

- ऊर्जा और ग्रिड प्रणाली: 3 खरब 90 अरब 62 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये।
- परिवहन बुनियादी ढांचा: 73 अरब 34 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपये।
- निजी घर, सार्वजनिक भवन, स्कूल, स्वास्थ्य संस्थान और सांस्कृतिक विरासत: 1 खरब 3 अरब 54 करोड़ 99 लाख रुपये।
- व्यापार, व्यवसाय, बैंक और कृषि सहित उत्पादक क्षेत्र: 50 अरब 77 करोड़ 49 लाख रुपये।
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और नदी प्रबंधन: 94 अरब 75 करोड़ 31 लाख रुपये।
- कीचड़ और मलबा प्रबंधन : 51 करोड़ 54 लाख रुपये।

भारतीय मूल के दंपति ने टेक्सास यूनिवर्सिटी को दिया दो करोड़ डालर का दान

न्यूयार्क

भारतीय मूल के एक दंपति ने टेक्सास स्थित अपने पूर्व कालेज को दो करोड़ अमेरिकी डालर का दान कर दिए। इस राशि से संस्थान में एआई और एडवांस्ड एनालिटिक्स के क्षेत्र में शिक्षा और शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। अनुराधा और विकास सिन्हा ने नार्थ टेक्सास विश्वविद्यालय (यूएनटी) को दो करोड़ डालर का दान दिया है।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक इस राशि का इसतेमाल एआई और एडवांस्ड एनालिटिक्स पर ध्यान केंद्रित करते हुए छात्रों और शिक्षकों के लिए नए अवसर पैदा करने में किया जाएगा। विश्वविद्यालय इस दान से अनुराधा एंड विकास सिन्हा कालेज आफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एडवांस्ड एनालिटिक्स स्थापित करेगा।

यह कालेज एआई, इंटेलिजेंट सिस्टम और डेटा एनालिटिक्स पर केंद्रित शैक्षणिक एवं शोध केंद्र के रूप में काम करेगा। यूएनटी में सिन्हा दंपति का निवेश और विश्वविद्यालय से उनका जुड़ाव लगातार बढ़ा है। 2024 में उन्होंने दान दिया था जिससे अनुराधा एंड विकास सिन्हा डिपार्टमेंट आफ डेटा साइंस की स्थापना की गई थी। इसके साथ

इस राशि से संस्थान में एआई और एडवांस्ड एनालिटिक्स और शोध को मिलेगा बढ़ावा

छात्रवृत्ति, शिक्षकों, शोध और विशेष पहलों के लिए भी वित्त की व्यवस्था की गई थी। इसके एक साल बाद उन्होंने एक और बड़ा योगदान दिया जिससे सिन्हा इनोवेशन लैब फार डेटा साइंस की स्थापना की गई। विकास सिन्हा ने कहा कि शिक्षा ने हमारे लिए अवसरों के दरवाजे खोले हैं और हम चाहते हैं कि ये दरवाजे दूसरों के लिए भी खुले रहें।

उन्होंने कहा कि इस बात का एक बड़ा कारण यह है कि अनु और मुझे इस बात पर बहुत भरोसा है कि यूएनटी छात्रों के लिए क्या कुछ मुमकिन बना सकता है जिसमें वे छात्र भी शामिल हैं जो शायद दूसरे देशों से वही महत्वाकांक्षा और शिक्षा में वही विश्वास लेकर यहां आते हैं, जो कभी हमारे मन में था।

विकास सिन्हा ने कहा कि हमारे लिए यह दान उस अवसर को आगे बढ़ाने और यह स्वीकार करने के बारे में है कि अप्रवासी केवल अमेरिकी सपने में भागीदार नहीं होते, बल्कि वे उसे साकार करने में भी योगदान देते हैं।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने जियारत क्रास हमले का वीडियो जारी किया

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने तीन सितंबर को पशिन के जियारत क्रास में पाकिस्तान की सेना और एक निर्माण कंपनी पर किए गए हमलों का वीडियो अपने आफिशियल चैनल हुकल पर जारी किया है। वीडियो के शुरुआती दृश्य में बीएलए की महत्वपूर्ण शाखा फतह स्क्वायड के कमांडरों को सैन्य अनुसासन के साथ दिखाया गया है। सभी कमांडरों को अत्याधुनिक हथियारों और खास यूनिफार्म में दिखाया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, सात मिनट के इस वीडियो में, इन कमांडरों को भारी हथियारों और राकेट से पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाते देखा जा सकता है। वीडियो में सेनाके जवानों के शव भी दिखाए गए हैं। बीएलए के अनुसार,तीन सितंबर को फतेह स्क्वायड ने जियारत क्रास पशिन में पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस दौरान किला सैफुल्लाह स्काउट्स और एफसी 134 विंग की चार गाड़ियों पर हमला किया गया। हमले में आर्मी के एक ट्रक समेत दो गाड़ियां तबाह हो गई। बीएलए के मुताबिक, हमले में 18 पाकिस्तानी आर्मी के जवान मारे गए और उनके सारे हथियार जब्त कर लिए गए।

व्हाइट हाउस की चेतावनी, जनवरी 2029 तक जारी रह सकती है ईरान से जंग

ट्रंप कर रहे इग्नोर, इसके उलट चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म होने की कर रहे बात

वाशिंगटन

ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सार्वजनिक दावे व्हाइट हाउस की आंतरिक रिपोर्ट से बिल्कुल अलग हैं। वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के शीर्ष सलाहकारों ने ट्रंप के सामने यह संभावना जताई है कि ईरान के साथ युद्ध उनके मौजूदा कार्यकाल के अंत यानी जनवरी 2029 तक जारी रह सकता है। वहीं, ट्रंप सार्वजनिक तौर पर दावा कर रहे हैं कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा।

रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने ट्रंप के साथ युद्ध के लंबे समय तक जारी रहने की संभावना पर चर्चा की है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान अमेरिकी दबाव, नाकेबंदी और अन्य सैन्य उपायों के बावजूद पीछे हटने से इनकार कर सकता है। ऐसी स्थिति में संघर्ष जनवरी 2029 में ट्रंप के कार्यकाल के अंत तक जारी रह सकता है। व्हाइट हाउस के अंदर हुई इन चर्चाओं की तस्वीर ट्रंप के सार्वजनिक बयानों से बिल्कुल अलग है। ट्रंप ने दावा किया कि नवंबर के मध्यावधि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा, क्योंकि ईरान अब ज्यादा समय तक इसे जारी नहीं रख सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर युद्ध लंबे समय तक चलता है तो इससे अमेरिकी सैन्य संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है। इसके अलावा दुनिया के तेल बाजार में लंबे समय तक अस्थिरता और आपूर्ति में बाधा का खतरा भी पैदा हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पहले ही मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य तैनाती के कुछ हिस्सों को 2027 तक बढ़ा चुके हैं। पेंटागन की योजना क्षेत्र में कुछ एयर डिफेंस यूनिट्स को बिना किसी तय अंतिम तारीख के बनाए रखने की है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ईरान पर लंबे समय तक आर्थिक दबाव बनाए रखने की रणनीति का भी समर्थन कर रहे हैं। इसके उलट ट्रंप सार्वजनिक तौर पर युद्ध के जल्द खत्म होने का दावा कर रहे हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। उनके मुताबिक ईरान ऐसी स्थिति चाहता है जिसमें अमेरिका में कमजोर राजनीतिक नेतृत्व आए और उसे नजरअंदाज करे, जिससे वह परमाणु हथियार विकसित कर सके। उन्होंने कहा कि ईरान की मुख्य इच्छा परमाणु हथियार हासिल करना है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान के पास परमाणु हथियार आ गया तो पूरी दुनिया गंभीर संकट में पड़ जाएगी। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका की कोशिश सिर्फ ईरान के परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ सिर्फ परमाणु समझौते पर काम नहीं कर रहा है, बल्कि कई अन्य मुद्दे भी बातचीत की मेज पर होंगे। ट्रंप ने कहा कि परमाणु मुद्दे पर समझौता होने की संभावना 99.9 फीसदी है, लेकिन इसके अलावा भी कई अन्य मुद्दे चर्चा में शामिल होंगे। ईरान के साथ बातचीत को लेकर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका फिलहाल तेहरान के साथ बातचीत की सक्रिय तलाश नहीं कर रहा है। उन्होंने बातचीत की संभावना से पूरी तरह इनकार भी नहीं किया।

कराची विवि के प्रोफेसर साकी पर हमले का मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

कराची (पाकिस्तान)

कराची विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा. मोहम्मद आरिफ खान साकी और उनके भतीजे पर कथित हमले और उन्हें बंधक बनाने के मामले में पुलिस ने मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान सैयद मोहम्मद कोनैन शाह के तौर पर की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शाह को जमानत मिलने के बावजूद गिरफ्तार किया गया। अंदेशा था कि वह शहर से भाग सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सैयद मोहम्मद कोनैन शाह की गिरफ्तारी तब हुई जब सीनेट की आंतरिक मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष ने उसे पकड़ने में विफलता पर नारागगी जताई थी। शाह ने मालिर की एक अतिरिक्त जिला और सत्र अदालत से अंतरिम जमानत हासिल की थी। अदालत ने उन्हें जांच में शामिल होने का निर्देश दिया था। यह मामला सफूराचौरंगी के पास हुई एक घटना से जुड़ा है। इस घटना में डा. साकी पर कथित तौर पर हमला किया गया था। यह हमला एक डबल कैबिन गाड़ी और उस आनलाइन टैक्सी की टक्कर के बाद हुआ। घटना के दौरान प्रोफेसर और उनके भतीजे को कथित तौर पर बंधक भी बनाया गया था।

अब उम्मीद है कि पुलिस जांच के हिस्से के तौर पर शाह से पूछताछ करेगी और घटना में उनकी कथित भूमिका का पता लगाएगी। पुलिस ने पता लगाया कि डा. साकी जिस गाड़ी में थे, उसे उनके भतीजे वहीदुर रहमान चला रहे थे। डा. साकी के अनुसार, डबल कैबिन गाड़ी पार्किंग क्षेत्र से बाहर आ रही थी, तभी उसके गार्ड ने टैक्सी को रुकने का इशारा किया। इसके बाद गाड़ी पीछे की ओर आई और टैक्सी से टकरा गई। प्रोफेसर ने कहा कि उन्होंने डबल-कैबिन गाड़ी में सवार लोगों से टक्कर से हुए नुकसान के लिए टैक्सी ड्राइवर को मुआवजा देने के लिए कहा। डा. साकी ने बताया कि इसके बाद होटल के मालिक का बेटा गाड़ी से बाहर निकला, दो गोलियां चलाईं और हवा में गोली चलाने से पहले पिस्तौल की बट से उन पर वार किया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें और उनके भतीजे को होटल ले जाया गया, जहां उन्हें कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने डा. साकी की शिकायत पर कोनैन और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में एक स्थानीय होटल के तीन कर्मचारियों को भी हिरासत में लिया और हमले में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने की कोशिश शुरू कर दी। घटना के बाद सिंध प्रांत के गृहमंत्री जिया-उल-हसन लंजार ने प्रोफेसर के साथ कथित दुर्व्यवहार और उन्हें अवैध रूप से बंधक बनाए जाने के मामले में एसएसपी (ईस्ट) से विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज समय अनुकूल हैं मजबूती से काम को आगे बढाएं सकारात्मक परिणाम देखकर उत्साह में वृद्धि होगी. काम में मन लगेगा और मेहनत के अनुसार परिणाम भी आएगा. इस समय पूरे दिल से किया हुआ कोई भी कार्य परिणाम अवश्य देगा. शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वालों को या शिक्षार्थियों को थोड़ी परेशानी उठानी पड़ सकती है पति पत्नी का आपसी तालमेल गजब का रहेगा बच्चों मे डिसीप्लीन दिखाई देगा । विवाह योग समय अच्छा हैं रिश्ता आगे बढा सकते हैं । शिवमंत्र का जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप एक समपन्न व्यक्ति हैं , लोगों की सेवा करना आप धर्म हैं आपके दोस्त आपसे किसी जरूरी काम के लिये मदद मांग सकते हैं. आप भी उनकी पूरी मदद करने की कोशिश करेंगे. पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा. आपका किसी सरकारी काम के लिये चयन हो सकता हैं छात्रों को एक टाइम टेबल के हिसाब से रुपरेखा बनानी चाहिए । आपको सूर्यदेव को लालफूल , लाल चन्दन , चावल से मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए . आप का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को प्रत्येक काम बहुत सोच समझकर करने की आवश्यकता हैं जल्दबाजी में कोई काम न करें. पैसों की स्थिति की चिंता करनी होगी. आपका फालतू खर्चा हो सकता है. नौकरी और बिजनेस में किसी बात को लेकर उलझनें बढ़ सकती हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. सेहत को लेकर लापरवाही न करें. आज आप दोस्तों और परिवार की जरूरतों में फंस सकते हैं. आहार का विशेष ध्यान रखें पेट मे जलन , गैस , मरोड़ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज छात्रों के लिए जबरदस्त उत्साह वाला दिन हैं सफलता मिलना तय हैं पुरस्कृत होंगे दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, आपको भविष्य के लिए पैसे जमा करने चाहिए, नहीं तो आगे आप मुश्किल में पड़ सकते हैं. आज सामाजिक प्रसंग में समय देना पडेगा आनंद का एहसास होगा धार्मिक यात्रा का भी योग है. आप थोड़े चंचल रहेंगे. माता का सुख मिल सकता है. आज कार्यस्थल पर तनाव हो सकता हैं विवाद से दूरी बनाए रखें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

पुरानी बातो को छोडकर आगे मिलने वाली सफलताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए किसी भी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस करना उचित नही हैं अत: सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें. निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं. बेहतर होगा आप अपने जीवनसाथी की सोच को समझने का प्रयास करें. खान–पान पर भी संयम रखें. तन–मन दोनो तंदरुस्त रहेंगें। बच्चों की पढाई पर ध्यान देना होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

छात्र अगर कोर्स मे फेरबदल करना चाह रहें तो समय अनुकूल हैं आप निर्णय ले सकते हैं पढ़ाई को पूरा इंज्वॉय करेंगे. कठिन विषयों को दूसरे तरीके से समझने की कोशिश करेंगे. आपकी कोशिशें सफल होंगी. अगर आज कारोबार मे आपको कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है. अगर आप घर के किसी फंक्शन के लिये कपड़े खरीदना चाहते हैं, तो आज खरीद सकते हैं. दिन अच्छा रहेगा. परिवार में सब लोग आपसे खुश रहेंगे. आप बच्चों के किसी कार्य में उनकी मदद कर सकते हैं.पीपल मे जलदूध चढाए दीप प्रज्वलित करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नौकरी और बिजनेस में लाभ की संभावना बन रही है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. विशेष लाभ व उन्नति के लिए आज आपको कुछ ज्यादा ही कोशिशें करनी पड़ सकती है, लेकिन आप सफल भी हो सकते हैं. आपके किए गए काम किस्मत की मदद से पूरे हो सकते हैं. अपनेफायदे की चिंता जरूर करें. दूसरों को नाराज किए बिना चतुराई से काम करें.दाम्पत्य जीवन को सुखी रखने के लिए आज अपना पैसा कही पर इन्वेस्ट करना पड सकता हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के मित्र आप का कोई काम कर सकते हैं आप चिन्ता मुक्त होंगे नयी जिम्मेदारी भी मिल सकती हैं सेहत के लिए आज का दिन सामान्य रह सकता है. गुस्से का उफ़ान रोक पाना बहुत मुश्किल है लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें. आज परिश्रम की अपेक्षा कम फल मिलेगा फिर भी कार्य के प्रति आप की निष्ठा में कमी नहीं आ पाएगी. नयी प्रॉपर्टी खरीदने की सम्भावना है. आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब आप जीवन में संयम रखने की जरूरत हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नये कारोबारी रिश्ते बनेंगे साझेदारी का काम भी लाभ देगा निवेश का हिसाब से माहौल अनुकूल हैं पूर्व के चले आ रहे प्रेम सम्बन्ध और परिपक्व हो सकते हैं. कुछ जातकों के जीवन में प्रेम आज दस्तक दे सकता है. किसी बात को लेकर पारिवारिक संबंधों में खटास आ सकती है. बच्चे आप को कोई खुशखबरी दे सकते हैं स्वास्थ्य बढीया रहेगा गरीब असहाय व्यक्ति को अन्नदान करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपनी दिनचर्या मे आप को फेरबदल करने की जरुरत है. आहार बहुत ही सोचसमझकर लेना होगा । आपकी सेहत में कुछ गड़बड़ हो सकती है. बिजनेस में कोई फैसला लेने में आपको परेशानी महसूस हो सकती है. कोई दोस्त आपकी मदद कर सकता है. परिवार में स्थिति ठीक रहेगी. पहले से चल रहा कोई विवाद दूर होगा. शिक्षक आप का पूरा सहयोग करेंगे बस छात्रों को अपने एग्जाम पर ध्यान देने की जरूरत है. कार्तिक स्वामी का मंत्र जप करें परिणाम अच्छे होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज बेरोजगारी दूर होगी आर्थिक तंगी खत्म होगी. इनकम और खर्चा बराबर रहेगा. कार्यस्थल पर ओवरटाइम करना पड सकता हैं और अधिकारियों से सहयोग भी मिलेगा. कार्यक्षेत्र में आप पूरी ताकत से काम निपटा लेंगे. आर्थिक तंगी खत्म हो सकती है. अचानक धन लाभ हो सकता है. अच्छे लोगों की संगति से फायदा हो सकता है. संतान से कोई अच्छी खबर मिल सकती हैं. कोशिशें चालू रखें समस्याएं खुदबखुद सुलझ जांएगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज अपनी वाणी में संयम रखने की जरूरत हैं किसी को भी अपशब्द बोलने से बचें । पड़ोसी से कुछ वाद–विवाद हो सकते हैं,आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक मजबूत हो रहा है. अपनी कंपनी से सम्बंधित कोई अहम फैसला आप को सोच समझकर लेना चाहिए आज नुकसान की सम्भावनाए हैं करियर कार्यक्षेत्र और बिजनेस में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना बन रही है. शिव स्तोत्र का स्तवन करें लाभ बनेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 सितंबर 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रात: 07:47 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी दोपहर 12:55 तक
योग : शुभ सायं 03:09 तक
करण : बव प्रात: 04:47 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:20 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:12 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद् खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्रदर्शन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के प्रतिनिधियों ने किया
हरिचरण मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय का दौरा

निजामाबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरमैन के. सीता दयाकर रेड्डी ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ हरिचरण मारवाड़ी हिंदी विद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया तथा विद्यार्थियों से संवाद कर उनके अधिकारों की जानकारी दी।

सर्वप्रथम चेयरमैन के. सीता दयाकर रेड्डी एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विद्यालय प्रांगण में स्थित सरस्वती माता एवं दानवीर सेठ स्व. श्री हरिचरणजी अग्रवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात उन्होंने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं का दौरा करते हुए विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, जिनमें शौचालय, शुद्ध पेयजल, सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता तथा शिक्षा–अध्ययन आदि के संबंध में विद्यार्थियों से विस्तार से चर्चा की।

18 वर्ष की आयु तक बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए आयोग सक्रिय

चेयरमैन ने विद्यार्थियों को बताया कि प्रत्येक बच्चे के जन्म से लेकर 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक उसके अधिकारों के संरक्षण के लिए तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग पूरी सक्रियता के साथ कार्य करता है। यदि किसी भी बच्चे को अपने अधिकारों से वंचित रहने या वंचित किए जाने की शिकायत हो तो वह आयोग से संपर्क कर सकता है, ताकि उसे उसका अधिकार दिलाया जा सके। इसके पश्चात हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट की ओर से आयोग के प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में एक सादा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थानी शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्रीवल्लभ सारड़ा ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरमैन श्रीमती के. सीता दयाकर रेड्डी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सत्कार किया।

विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की आयोग ने की सराहना

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरमैन के. सीता दयाकर रेड्डी ने कहा कि आज उन्होंने तथा उनके समस्त प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय का दौरा किया, जहां हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट एवं राजस्थानी शिक्षा समिति द्वारा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की उन्होंने भूरि–भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संस्था इसी प्रकार अपने विद्यार्थियों को शिक्षा–अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करती रहे, ताकि कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे।

इस अवसर पर तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य वंदना गौड़, एम. चंदना, बंडी अपर्णा, जी. सरिता, प्रेमलता अग्रवाल, वचन कुमार सहित हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी बालकिशन अग्रवाल, न्यासी पवन कुमार केडिया, वेदप्रकाश मित्तल, ओमनारायण अट्टल, राजस्थानी शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष नरेश कुमार तिवाड़ी, कार्यवाहक मंत्री राजेंद्र पाण्डे, पूर्व अध्यक्ष श्यामसुन्दर अग्रवाल सहित शिक्षण प्रमुख, अध्यापक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कर्म : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क के वाटर टैंक क्षेत्र में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल ने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कर्म है। राधे–राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भावना और निरंतरता के साथ अन्नदान सेवा कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी और अनुकरणीय उदाहरण है। जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्ची मानव सेवा है।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप सेवा के माध्यम से समाज में मानवता, संस्कार और सहयोग की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने की यह पहल निश्चित रूप से समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मुंदड़ा सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और अन्नदान सेवा में सक्रिय सहयोग किया।

चावल मिल मालिकों का धरना, समस्याओं के समाधान की मांग

निजामाबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद जिला चावल मिल एसोसिएशन एवं जिला चावल मिलर्स कल्याण एसोसिएशन के तत्वावधान में चावल मिल मालिकों ने शुक्रवार को धरना चौक पर विशाल धरना दिया। जिला अध्यक्ष दयानन्द गुप्ता ने मिल मालिकों पर हो रहे हमले तुरंत रोकने, मिलिंग शुल्क बढ़ाकर 150 रुपये प्रति क्विंटल करने तथा बकाया पर 25 प्रतिशत जुर्माना व 12 प्रतिशत ब्याज माफ करने की मांग की। उन्होंने कहा कि घटिया गुणवत्ता के धान से गुणवत्तापूर्ण चावल उत्पादन की वास्तविक स्थिति जानने के लिए सरकार तथ्य–जांच समिति गठित करे।

जीना सरल, लेकिन जीने की कला सीखना कठिन : राजमतीजी म. सा.

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंधी भवन में आध्यात्मिक वर्षावास के दौरान साध्वीवृंद के सान्निध्य में धार्मिक प्रवचन हुए। पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने जिनवाणी को जीवन को मोक्ष मार्ग की ओर ले जाने वाला अमृत बताया। उन्होंने कहा कि जीवन का सही मूल्यांकन वही कर सकता है, जिसके जीवन में धर्म बसा हो। क्रोध को त्यागकर धर्म के मार्ग पर चलना आवश्यक है। पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. ने कहा कि संतों और गुरुओं की वाणी का पालन करने से जीवन पतझड़ से सावन की तरह हरा–भरा हो जाता है। वहीं महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने कहा कि जीना तो सरल है, पर जीने की कला सीखना बहुत कठिन है। उन्होंने पंचेंद्रिय जीवों की रक्षा को मनुष्य का बड़ा धर्म बताते हुए कहा कि चाकू के घाव मिट सकते हैं, लेकिन कटु वचनों से लगे घाव आसानी से नहीं मिटते।चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने बताया कि आयंबिल एवं एकासना की लड़ी निरंतर चल रही है। प्रवचन के बाद नवकार महामंत्र जाप हुआ। आगामी 13 अगस्त को राष्ट्रसंत आचार्य श्री आनंदऋषिजी म.सा. की 126वीं जन्म जयंती सामूहिक एकासना दिवस के रूप में तथा 16 अगस्त को श्री जैन महिला मंडल, मलकपेट द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं बच्चों के धार्मिक शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ।

17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस मनाने की मांग

बांसवाड़ा, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा नसुरुलाबाद मंडल अध्यक्ष चंद्री हनमंडलू ने 17 सितंबर को आधिकारिक रूप से 'तेलंगाना मुक्ति दिवस' मनाने की मांग को लेकर शुक्रवार को नसुरुलाबाद तहसीलदार कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर 1948 को निजाम के शासन और रजाकारों से तेलंगाना को मुक्ति मिली थी। उन्होंने सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर आधिकारिक आयोजन करने की मांग की। मांग पूरी नहीं होने पर भाजपा की ओर से आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस दौरान लक्ष्मण, धनुंजय नेमाली, रामगोपाल रेड्डी, शेखर, साई, भास्कर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चेन्नई में काइंड ने 140 शिक्षकों को किया सम्मानित

चेन्नई, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। करुणा इंस्टीट्यूट फॉर नोबिलिटी डेवलपमेंट (काइंड) की ओर से वेपरी स्थित अग्रवाल विद्यालय में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया। समारोह में विशेष बच्चों के स्कूलों, सरकारी एवं निजी स्कूलों के 140 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता काइंड के ट्रस्टी राजस्थान रत्न सुभाषचंद रांका ने की।

स्वागत भाषण में काइंड के अध्यक्ष विमलचंद धारीवाल ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता बताते हुए उनके समर्पण और योगदान की सराहना की। उन्होंने विशेष बच्चों के शिक्षकों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। मुख्य अतिथि श्रीलंका के उप उच्चायुक्त गणेशानाथन गीतिस्वरन ने काइंड के सामाजिक कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर चेल्लम देवदास और राजेंद्रन चोरडिया द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

मानवता की पांच दशकों से सेवा और करीब 2.60 लाख आंखों की सर्जरी करने वाले प्रसिद्ध नेत्र सर्जन एवं अमृत अस्पतालों के अध्यक्ष डॉ. सोहनलाल को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह में विशेष बच्चों के लिए वर्षभर नि:शुल्क परामर्श एवं दवाओं की सुविधा वाला क्लिनिक जल्द शुरू करने की घोषणा भी की गई। इसके लिए काइंड फिजियो के सहयोग से पहल करेगा।

समारोह में डॉ. अरुल पिचई नारायणन सहित काइंड के पदाधिकारी, सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सामूहिक सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत चार लाभार्थियों को वॉशिंग मशीन वितरित

बांसवाड़ा, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के नसुरुलाबाद मंडल के नेमाली और मिर्जापुर गांवों में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत चार लाभार्थियों को आधुनिक वॉशिंग मशीन वितरित की गईं। भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्री हनमंडलू ने कहा कि योजना पिछड़े वर्गों एवं कारीगरों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक है। लाभार्थियों शंकरम अंजैया, ध्यानरांचा साई, चंद्रू साई और चकाली जमपन्ना को मशीनें प्रदान की गईं। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पासीगामा स्कूल के विकास के लिए 18 लाख मंजूर

पेद्दापल्ली, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वमसी कृष्णा ने पासीगामा सरकारी स्कूल के विकास के लिए सांसद निधि से 18 लाख रुपये मंजूर किए हैं। इस राशि से छात्रों के लिए आवश्यक बेंचों की व्यवस्था के साथ स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाएगा। सांसद ने कहा कि सरकारी स्कूलों में सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए और छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उनकी इस पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है।

श्रीमद् भागवत कथा के संदर्भ में बैठक कल

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में पितृपक्ष माह के अवसर पर 1 से 7 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन साई बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुड़ा चौरस्ता, अतापुर में किया जाएगा।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार, 13 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे साई बाबा मंदिर प्रांगण में बैठक आयोजित की जाएगी। समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, अतापुर के धार्मिक आस्था रखने वाले समाजबंधुओं, सामाजिक संगठनों, संस्थाओं एवं महिला मंडलों से बैठक में उपस्थित होने का आह्वान किया है।

बैठक में विभिन्न संयोजकों से उनके कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक सुधार एवं व्यवस्थाओं पर विचार–विमर्श किया जाएगा। कलश यात्रा की जिम्मेदारी जमुना देवी लाठी, ज्योति शर्मा, जमुना देवी काबरा, पंडित विद्या देवी शर्मा, आशा देवी सोमाणी, शीला देवी शर्मा एवं कोमल बेहवाल को सौंपी गई है। पंडाल व्यवस्था संजय राठी एवं श्याम सुंदर जांगिड़, भोजन व्यवस्था केदारनाथ लाठी, जमुना देवी लाठी एवं संजय गुप्ता तथा श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था रामदेव व्यास संभालेंगे।

कथा व्यासपीठ एवं पंडाल व्यवस्था रमेश मोदानी, निखिल एवं सोमाणी, जबकि कथा वाचक एवं उनकी टीम के आवास की व्यवस्था किशन काबरा देखेंगे। अतिथियों के सम्मान एवं अर्थव्यवस्था संग्रह की जिम्मेदारी श्रीनिवास सोमाणी को दी गई है। प्रचार–प्रसार का कार्य महेश अग्रवाल एवं रिद्धी जागीरदार संभालेंगे। अतिथियों एवं सहयोगी बंधुओं को निमंत्रण देने का दायित्व श्रीनिवास सोमाणी, महेश अग्रवाल, संजय राठी एवं रमेश मोदानी को सौंपा गया है।

समिति मंत्री महेश कुमार अग्रवाल ने धार्मिक आस्था रखने वाले समाजबंधुओं से श्रीमद् भागवत कथा में यजमान बनने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि कथा के दौरान प्रतिदिन शाम आरती के पश्चात भोजन की व्यवस्था भी रहेगी। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से पितृपक्ष माह के इस धार्मिक आयोजन में सहयोग कर इसे भव्य एवं सफल बनाने में सहभागी बनने का आह्वान किया।

सांसद वमसी कृष्णा ने धर्मपुरी मंदिर में की पूजा–अर्चना

पेद्दापल्ली, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने शुक्रवार को धर्मपुरी स्थित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में दर्शन कर विशेष पूजा–अर्चना की। मंदिर पुजारियों ने विधि–विधान से उनका स्वागत कर तीर्थ–प्रसाद प्रदान किया। सांसद ने कहा कि कांग्रेस सरकार राज्य में मंदिरों के विकास के लिए करीब 1,000 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्य करा रही है। उन्होंने धर्मपुरी में आगामी गोदावरी पुष्करम को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और मंदिर विकास में सहयोग का आश्वासन दिया।

इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता–कार्यकर्ता, मंदिर कर्मचारी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

कलियुग की तारनहार गीता

जब-जब कटुता-वैमनस्यता, पृथकता, स्वार्थपरता, अनैतिकता, अत्याचार, अधर्म, पाप रागद्वेष, छलकपट समाज में अव्यवस्थित होते हैं, तो वसुद्या से धर्म विलुप्त होने लगता है। तब-तब भक्तों की रक्षा के लिए ईश्वर को यहां अवतार लेना पड़ता है। यह सब श्री मदभगवद्गीता में कहा गया है—

'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अम्युत्थानमधर्मस्य तदात्माने सृजाम्यहम।।
परित्राणाय साधूना विनाशाय च दुष्कृताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।'

जब दुर्योधन ने धर्मराज युधिष्ठर से कह दिया कि मैं सूई के नोक बराबर भूमि बिना युद्ध न दूंगा, तो विवश होकर धर्मराज युधिष्ठर को युद्ध के लिए प्रस्तुत होना पड़ा। कुरुक्षेत्र स्थान में कौरव व पांडव की सेनाएं अलग-अलग एकत्रित हुईं। भगवान श्रीकृष्ण ने कौरव और पांडव दोनों को सहयोग दिया। पांडव की ओर से श्री कृष्ण भगवान ने अर्जुन का सारथी बनना स्वीकार किया और कौरव की ओर उन्होंने अपनी सेना को रखा। जिस समय कौरव व पांडव की सेनाएं युद्ध के लिए आमने-सामने थी, अर्जुन ने भगवान श्री कृष्ण से कहा- भगवान्! रथ को दोनों सेनाओं के बीच ले चलो, ताकि मैं युद्ध करने वालों को देख लूं। भगवान श्री कृष्ण ने रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले गए। तब अर्जुन ने देखा कि युद्ध स्थान पर गुरु द्रोणाचार्य भीष्म पितामह अश्वत्थामा आदि लोग मौजूद थे। साथ ही अर्जुन ने अपने निकटस्थ स्वजन बन्धुओं को अस्त्रों से पूर्ण रुपेण सुसज्जित देखा, तो अर्जुन विचलित हो गए, उनका हृदय द्रवित हो गया।

'अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावाद्रांश्य भाषते।
गतासूनगतासंश्च नानूशोचन्ति पंडित:।।'

भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को कहा कि तू न शोक करने योग्यों के लिए शोक करता है और पंडितों जैसे वचनों को कहता है। परंतु पंडित जन जिनके प्राण चले गए हैं, उनके लिए और जिनके प्राण नहीं गए हैं उनके लिए भी नहीं शोक करते हैं। *'अनाशिनोऽप्रमेस्य तस्माद्युध्यस्व भारत'* नाशरहित अप्रमेय नित्यस्वरूप जीवात्मा के यह सब शरीर नाशवान कहे गए हैं, इसलिए हे भरतवंशी अर्जुन तू युद्ध कर। 'धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षित:।'

तुम धर्म की हानि कर रहे हो। तुम्हें यह ध्यान नहीं है कि जो धर्म की रक्षा करता है, उसकी रक्षा स्वयं होती है और धर्म को नष्ट करने वाला स्वयं नष्ट हो जाता है। 'हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा मोक्ष्यसे महीम् मर कर स्वर्ग को प्राप्त होगा अथवा जीतकर राज्य का सुख भोगेगा।'

'मन्मना भव मद्भक्तों मद्याजी मां नमस्कुरू।
मामेवैष्यसि सत्यं ने प्रतिजाने प्रियोऽसि में।।'

हे अर्जुन! तू केवल मुझ सचिदानन्द वासुदेव परमात्मा में ही अनन्य प्रेम से नित्य, निरंतर, अचल मनबाला हो और मुझ परमेश्वर को ही अतिशय श्रद्धाभक्ति सहित निष्कामभाव से नाम, गुण और प्रभाव के श्रवण-कीर्तन, मनन और पठन-पाठन द्वारा निरंतर भजने वाला हो तथा मेरा (शंख, चक्र, गदा, पद्म और किरीट कुंडल आदि भूषणों से युक्त पीताम्बर वनमाला और कौस्तुम मणिधारी विष्णु का) मन वाणी और शरीर के द्वारा सर्वस्व अर्पण करके अतिशय श्रद्धा भक्ति और प्रेम से ह्विलता पूर्वक पूजन करने वाला हो और मुझ सर्वशक्तिमान विभूति बल एश्वर्य, माधुर्य गंभीरता, उदारता, वात्सल्य और सुहृदयता आदि गुणों से संपन्न सबके आश्रयरूप वासुदेव को विनयभाव पूर्वक भ ित सहित साष्टाडंग दंडवत प्रणाम कर। ऐसा करने से तू (अर्जुन) मेरे को ही प्राप्त होगा। यह मैं तेरे लिए सत्य प्रतिज्ञा करता हूं, अत: तू मेरा अत्यंत प्रिय सखा है।

श्रीमद्भगवद्गीता कहती है कि सत् सनातन है, स्थाई है शाश्वते है, अत: जो है वह है, जो नहीं है, वह नहीं है। 'नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सत:' यह सत् अपना कार्य करता है। स्वर्ण से कुंडल बनता है, तो सोना समाप्त नहीं होता है। कुंडल टूट कर पुन: सोना बन जाता है, इसीलिए कि सोना कुंडल में विद्यमान है, यही सनातनता की सार्थकता है।

'सर्वोपनिषदों गांवों दोग्द्या गोपालनंदन:
पार्थो वत्स: सुधीर्भोक्ता दुग्धं गीतामृतं महत्।'

श्रीमद्भगवद्गीता को उपनिषदों का मीठा दूध कहा गया है। उपनिषद गाय हैं। दुहने वाला वासुदेव कृष्ण हैं। अर्जुन बछड़ा हैं। पाठक पीने वाले (भोकता) हैं।

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फल्षु कदाचन'

कर्म और कर्म फल दोनों प्रभु को समर्पित हैं। हम तो उसकी अभिलाषा की पूर्ति के माध्यम मात्र है। वही जो चाहे अभिलाषा की पूर्ति ऐसे व्यक्ति को पूर्ण निश्चितता प्रदान करते हैं और उसकी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले लेते हैं।

'योगक्षेमम् वहाम्ययहम्'। वही प्रभु सबको संसार सागर से पार करते हैं। हमारा कर्तव्य बनता है कि हम इस कल्याणकारी श्रीगीता के ज्ञानयज्ञ को सर्वत्र फैलाएं।

गीता के पठन-पाठन से मनुष्य जीवन का आधार सुदृढ़ होता है। श्री गीता की अलोकिक महिमा है, इसके श्रवण और रसावास्दन से सच्चिदानंद परमात्मा की प्राप्ति होती है।

गीता के अठारह आध्याय

1, अर्जुन विषाद योग 2.सांख्य योग 3. कर्मयोग 4. ज्ञानकर्मसंन्यास योग 5. कर्मसन्यास योग 6. आत्म संयम योग 7. ज्ञान-विज्ञान योग 8. अक्षर ब्रह्मयोग 9. राजविद्याराजगुह्मयोग 10. विभूति योग 11. विश्वरूपदर्शन योग 12. भक्ति योग 13. क्षेत्रक्षेत्रज्ञविभागयोग 14. गुणत्रयविभाग योग 15. पुरुषोतम योग 16. दैवासुर संपद्धिभाग योग 17. श्रद्धात्रयविभाग योग 18. मोक्ष सन्यांस योग।

ज्ञान, समर्पण और कर्म

गीता का हर श्लोक गागर में सागर है। लेकिन इस पूरे ग्रंथ का सार तीन बातों में छिपा है, ज्ञान, समर्पण और कर्म। ये तीन वो सूत्र हैं, जिन्हें अपनाकर व्यक्ति सफलता की सीढ़ी चढ़ता है। यानी स्वयं को ज्ञानवान बनाकर समर्पण भाव से कर्म में जुट जाएं। ज्ञान, जो बहते जल-सा निर्मल हो, समर्पण, जो गहरे समुद्र-सा अथाह हो और कर्म, जो धरती-सा निस्वार्थ हो।

स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं वास्तुदोष

सभी दिशाएं प्रकृति की ही हैं और सभी शुभ हैं। वास्तुशास्त्र तो मात्र प्रकृति में व्याप्त सूर्य की जीवनदायी सकारात्मक ऊर्जा के श्रेष्ठ उपयोग का तरीका बताता है ताकि पृथ्वीवासी स्वस्थ, सुखद व शांतिपूर्वक जीवन जी सकें।

आजकल छोटे या बड़े भवनों की बनावट पहले के भवनों की तुलना में सुंदर व भव्य जरूर हो गई है, लेकिन आर्किटेक्ट मकानों को सुंदरता प्रदान करने के लिए अनियमित आकार को महत्व देने लगे हैं। इस कारण मकान बनाते समय जाने-अनजाने वास्तु सिद्धांतों की अवहेलना हो रही है। महिला हो या पुरुष, उनकी हर प्रकार की बीमारी में वास्तुदोष की अपनी भूमिका रहती है। वास्तुदोष के कारण घर में सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा के बीच असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाती है। इस कारण वहां रहने वालों के शारीरिक व मानसिक रोगी बनने की आशंका होती है।

वैसे तो सभी दिशाएं प्रकृति की ही हैं और सभी शुभ हैं। वास्तुशास्त्र तो मात्र प्रकृति में व्याप्त सूर्य की जीवनदायी सकारात्मक ऊर्जा के श्रेष्ठ उपयोग का तरीका बताता है ताकि पृथ्वीवासी स्वस्थ, सुखद व शांतिपूर्वक जीवन जी सकें। वह भवन, जहां पर प्रात:काल की बजाय दोपहर की किरणें आती हैं वहां रहने वालों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता। दोपहर के समय पृथ्वी पर पड़ने वाली सूर्य की नकारात्मक किरणें (अल्ट्रा वायलेट) होती हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदेह होती हैं। इसी कारण वास्तुशास्त्र में दक्षिण व पश्चिम की दीवारों को ऊंचा रखने का प्रावधान है। साथ ही इन दिशाओं में उत्तर व पूर्व की तुलना में कम खिड़की-दरवाजे रखने की सलाह दी गई है ताकि उस घर में रहने वाले सदस्य इन नकारात्मक ऊर्जा से युक्त किरणों के संपर्क में कम से कम आएं तथा ईशान दिशा में स्थित जल स्त्रोतों पर भी यह किरणें न पड़ सकें।

भवन के ईशान कोण में अधिक खाली जगह रखने का कारण भी सूर्य की गति ही है। जब सूर्य उत्तरायण की तरफ होता है तो दोपहर तक लाभदायक किरणें पृथ्वी पर पड़ती हैं। जब सूर्य दक्षिणायण होता है तो दोपहर के पूर्व ही हानिकारक किरणें पड़नी शुरू हो जाती हैं, क्योंकि दिन छोटे होते जाते हैं। अत: उत्तरायण काल की सूर्य की किरणों का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए ही वास्तुशास्त्र में दक्षिण की अपेक्षा उत्तर में ज्यादा खाली जगह छोड़ने की सलाह दी गई है। जिस घर का नैऋत्य कोण, किसी भी प्रकार से नीचा हो या वहां किसी भी प्रकार का भूमिगत पानी का टैंक, कुआं, बोरवेल, सेप्टिक टैंक इत्यादि हो तो वहां रहने वाले के असामयिक मृत्यु का शिकार होने की आशंका रहती है।

ध्यान रहे वास्तुशास्त्र एक विज्ञान है। घर की बनावट में ही वास्तु अनुकूल परिवर्तन कर वास्तुदोषों को दूर किया जा सकता है। बाकी टोटकों की जरूरत नहीं है।

श्रीयंत्र उपासना से आती है अमिट सुख-समृद्धि!

भारतीय सनातन उपासना पद्धति में श्रीयंत्र उपासना का बहुत महत्व है। इसके बारे में प्राय: एक व्यक्ति कभी न कभी चर्चा छेड़ ही देता है लेकिन पूरी जानकारी न मिलने पर वह इस अद्भुत उपासना से नहीं जुड़ पाता। उत्तरायण में यानी सूर्य की मकर राशि में प्रवेश करने के बाद जब माघ का महीना प्रारंभ होता है इस यात्रा की उपासना प्रारंभ कर देनी चाहिए। तभी दीपावली की रात्रि को यह यंत्र अराधना के बाद फलदायी बनता है। 14 जनवरी से उत्तरायण शुरू हो जाएगा। अत: अपनी एंव राज्स की सुख-समृद्धि चाहने वालों साधकों की उपासना के लिए श्रीयंत्र की उपासना का अनुकूल समय आ रहा है।

प्राचीन है पद्धति

धन-संपदा और वैभव की देवी महालक्ष्मी की कृपा पाने के लिए श्रीयंत्र की उपासना एवं प्रयोग प्राचीन काल से प्रचलित है। आर्थिक दृष्टि से श्रीयंत्र को समस्त यंत्रों का शिरोमणि और यंत्रराज माना गया है। श्रीयंत्र उस त्रिपुरा महा शिवशक्ति का प्रतीक है, जो धन-वैभव, सुख-समृद्धि एवं संपन्नता की अधिष्ठात्री भी महात्रिपुर सुंदरी के रूप में प्रसद्धि है। ब्रह्मा की उत्पत्ति, स्थिति और पालना की सामर्थ्य प्राप्त करने का कारण भी यही है। जगगुरु आदि शंकराचार्य के अनुसार यदि शिव, शक्ति के सहित होता है। वही शक्ति युक्त अर्थात् सर्व सामर्थ्यवान होता है। शक्ति से रहित हुआ देव शुभाशुभ फल देने योग्य नहीं होता।

शास्त्रानुसार लक्ष्मी सरस्वती एवं ब्रह्माणी तीनों लोकों की संपत्ति, वैभव एवं शोभा का नाम ही श्री है। लक्ष्मी, सरस्वती, धात्री त्रिवर्मसम्पद् विभूति शोभासु। जो ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश इन तीनों से जो पुरातन हो, वही त्रिपुरा है। श्रीयंत्र में पांच त्रिकोण की नोंक ऊपर की ओर और चार त्रिकोण की नीचे की ओर हैं जिनकी नोंक ऊपर की ओर है, उन्हें भगवती की शक्ति का प्रतीक माना जाता है और उसे शिवशक्ति भी कहा जाता है। नीचे की ओर नोंक वाले त्रिकोण कल्याणकारी शिव के प्रतीक हैं। इन्हें श्रीकंठ भी कहते हैं। ऊर्ध्वमुखी पांच त्रिकोण पांच प्राण, पांच ज्ञानेंद्रियां, पांच तन्मात्रा और 5 महातत्वों के प्रतीक हैं। शरीर में यह अस्थि, मेदा, मांस, अवृक और त्वचा के रूप में विद्यमान है।

अधोमुखी चार त्रिकोण शरीर में जीव, प्राण, शुक्र और मज्जा की द्योतक हैं और ब्रह्मांड में मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार के प्रतीक हैं। पांच ऊर्ध्वमुखी और चार अधोमुखी त्रिकोण नौ मूल प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस प्रकार श्री यंत्र में एक आठ दल वाला और दूसरा सोलह दल वाला कमल है। भगवान शंकर के मतानुसार सृष्टि से ऊर्ध्वमुखी त्रिकोण अग्नि, तत्व के वृत्त वायु तत्व के बिंदु आकाश का और भूपुर पृथ्व तत्व का प्रतीक माना जाता है।

श्रीयंत्र की संरचना किसी शुभ मुहूर्त में स्वर्ण पत्र, रजत पत्र, ताम्र पत्र अथवा भोमपत्र पर शुद्धतापर्वूक एवं श्रद्धापूर्वक करवानी चाहिए। तदुपरांत किसी सुयोग्य पंडित से उसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर विधिवत् लाल पुष्पों द्वारा पूजन करना चाहिए। यद्यपि श्रीयंत्र की शास्त्रीय पूजन विधि अत्यंत जटिल एवं विस्तृत प्रक्रिया है, परंतु यहां पर संक्षिप्त विधि का उल्लेख करते हैं-

संक्षिप्त पूजन विधि

नित्य स्नान पूजा, पाठोपरांत शुद्ध स्वच्छ वस्त्र धारण करें। श्रीयंत्र को लाल वस्त्र एवं मौली लपेट कर लाल चंदन का तिलक लगाकर गंगा जल, मंत्र द्वारा शुद्धि कर आसन पर यंत्र को स्थापित करना चाहिए तथा धूप-दीप द्वारा वातावरण को पवित्र करके श्रीयंत्र के पास शुद्धासन पर पूव को मुख कर बैठें तथा यह मंत्र पढ़ते हुए यंत्र को प्रणाम करें-

'दिव्यां परां सुधवलां चक्र यातां,मूलादि बिन्दुपरिपूर्णा

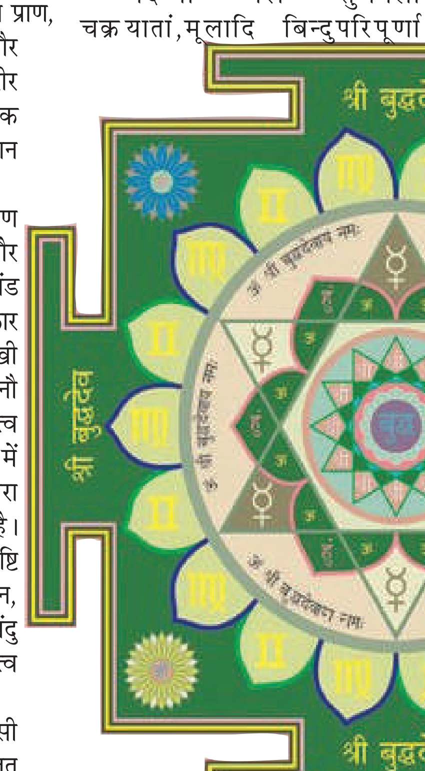

कलात्मरूपाम्। स्थित्वात्मिका शरधनुसृणि पाशहस्तां, श्री चक्रतां सततं नमामि।'

श्रीयंत्र की अधिष्ठानी देवी महात्रिपुर सुंदरी है, अत: यंत्र को प्रणाम करने के बाद निम्न मंत्र द्वारा देवी का ध्यान करें-

बालार्कयुत तैजसं त्रिनयनां,
रक्ताम्बरोल्लासिनी।
नानालंकृति राजमान वपुषं बालेन्दु युत शेखरम्।
हस्तैरिक्षु धनु: सृर्णि सुरशंर, पाशं मुदा विभ्रतीम्
श्रीचक्र स्थित सुन्दरीं, त्रिजगतामाधारभूतां भजे।

इसके पश्चात् श्रीयंत्र की पंचामृत अथवा गंगा जल से स्नान कराकर लाल चन्दन, अक्षत, रोला, लाल पुष्प, धूप, दीप नैवेद्य अर्पित करते हुए पूजा करें। फिर कलश पर दीप जलाकर चन्दन या रुद्राक्ष की माला से शक्ति के अनुसार सवा लाख, 51 हजार, 31हजार, 21 हजार अथवा 11 हजार या 108 की संख्या में नियमित रूप से प्रतिदिन एक निश्चित समय पर संकल्प पूर्वक करने से अभीष्ट सिद्धि होती है।

मंत्र इस प्रकार से है-

नम: श्री चक्रस्थेऽखिलमयि नमो बिंदुनिलये।
नम: कामेशाक्तं स्थिताते नमस्तेऽव ललिते।
अथवा
नमो हेमाद्रिस्थे शिवशक्ति नम: श्री पुरगते।
नम: पद्माख्यां कुतुकिनी नमो रत्नगृहगे।
अथवा
ऊँ श्रीं ह्वीं क्लीं ह्वीं श्रीं महालक्ष्म्यै नम:।

पिरामिड देते हैं चमत्कारी प्रभाव

पिरामिड की मूल धारणा मिस्त्र के पिरामिडों पर आधारित मानी जाती है। पिरामिड का प्रयोग सही तरह से करने पर ये चमत्कारी प्रभाव देते हैं। भारत तथा दूसरे देशों के मंदिरों और गिरजाघरों को दिये गये पिरामिड सरीखे, इस बात को सिद्ध करते हैं कि पिरामिड की आकृति चमत्कारी शक्ति रखती है। इसकी एकाग्रता की शक्ति को समूचे विश्व ने स्वीकार किया है। इसके अलावा भवन निर्माण कला एवं स्थापत्य कला में इसका एक विशेष स्थान है।

किसी भी स्थिति में यह दावा नहीं किया जा सकता कि पिरामिडों में ऐसा कोई प्रभाव है, जो रातों-रात हमारी उन्नति के रास्ते खोल देगा। घर में पिरामिड की स्थापना से धन की बरसात नहीं होगी और इस संसार में ऐसी कोई वस्तु है भी नहीं, जिसके चमत्कार से ही धन प्राप्त हो सके। हमारे परिश्रम और ईश्वरीय कृपा-दोनों के सम्मिलित सहयोग से ही जीवन में प्रगति की जा सकती है। पिरामिड कोई पारस पत्थर नहीं है कि आपके पिछवाड़े सड़ रहे कबाड़ को सोना बना दे। पिरामिड आपकी मनोस्थिति को परिपक्व बनाने का काम करता है। आपके सोचने और सही निर्णय लेने की क्षमता को द्विगणित कर देता है। पिरामिड सही मायने में एक प्रकार की औषधि है और परहेज पूर्वक किया गया सेवन, आपको रोग मुक्त कर सकता है। लेकिन इसके विपरीत यदि आप किसी औषधि का ठीक से सेवन न करें तो आपके शरीर में रोग की उपस्थिति बनी रह सकती है। ऊपर से चाहे आप स्वस्थ दिखाई दें, लेकिन आन्तरिक रूप से आप कमजोर हो सकते हैं। यही स्थिति पिरामिड की है। आमतौर पर बाजार में सभी तरह की धातुओं, लकड़ी, प्लास्टिक और मिट्टी से बने पिरामिड विभिन्न आकारों में उपलब्ध हैं। विभिन्न पदार्थों से बने ये पिरामिड, एकल और नौ के गुणांक में आसानी से मिलते हैं। यह स्थिति आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकती है कि किसे और कितने आकार के पिरामिड की आपको आवश्यकता है। लेकिन इस समस्या का समाधान भी आपके ही पास है। पहले आप निर्णय करें कि आपको पिरामिड की स्थापना कहां करनी है। आमतौर पर यदि आप अपने ऑफिस की टेबल पर पिरामिड को रखते हैं तो आपके लिए एक बड़े आकार का धातु से बना पिरामिड उपयुक्त है, लेकिन इस पिरामिड को रखने से पूर्व कुछ बातों को ध्यान में रखें।

1. पिरामिड वहीं श्रेष्ठ है, जो धातु से बना हो।

2. दूसरी वरीयता उस पिरामिड को दें, जो मिट्टी का बना हो।

3. तीसरी वरीयता पत्थर से बने पिरामिड की है और चौथा स्थान लकड़ी से बने पिरामिड का है।

4. ये सब वस्तुएं प्रकृति का ही प्रतिनिधित्व करती हैं।

5.प्लास्टिक आदि से बने पिरामिड बेकार हैं, उनको उपयोग में न लाएं। क्योंकि प्लास्टिक से बने पिरामिडों का कोई शुभाशुभ प्रभाव नहीं होता।

6. ऑफिस की टेबल पर रखे पिरामिड का उपयोग कभी भी पेपर वेट के लिए न करें।

7. पिरामिड हमेशा आपके दांई तरफ होना चाहिए। अर्थात् अपने दाएं हाथ की ओर पिरामिड रखें।

8. किसी से बात करते समय पिरामिड को इस प्रकार अपने हाथों में न उछालें कि सामने वाले व्यक्ति को ऐसा आभास हो कि आपके हाथ में कोई खिलौना है।

यदि आप पिरामिड का ठीक प्रकार से उपयोग करते हैं तो निश्चित रूप से समय के साथ आपको इसका लाभ भी प्राप्त होगा। आपको केवल सब्र रखने भर की जरूरत है।

बाबा रामदेव जी

अनन्य भक्त श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (टंडन)

शुभ लाभ का विशेष साक्षात्कार

बाबा रामदेवजी, जिन्हें बाबा रामदेवपीर, रामशाह पीर या नेझाधनी के नाम से भी जाना जाता है, राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध और पूजनीय लोकदेवताओं में से एक हैं। वे 14वीं शताब्दी के एक तंवर वंशीय राजपूत राजा और महान संत थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन शोषितों, गरीबों और छुआछूत के शिकार लोगों के उत्थान में समर्पित कर दिया। हिंदू और मुस्लिम दोनों ही समुदायों के लोग उन्हें समान रूप से पूजते हैं।

हैदराबाद के श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (टंडन) बाबा के उन चुनिंदा भक्तों में शामिल है, जिन्हें बाबा की भक्ति का न केवल अलौकिक अवसर मिला, बल्कि उन्होंने बाबा रामदेव जी के बहुचर्चित 24 पर्चों का अपनी कल्पना रूपी कलम से कैनवास पर भी उतारा और सोने-चाँदी की परतों पर भी उकेरने का अद्भुत सौभाग्य प्राप्त किया।

दरअसल, जीडीमेट्ला, हैदराबाद स्थित अर्चना स्टील्स के मालिक श्री सुरेश कुमार जी टंडन प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बाबा रामदेव जी के भजनों के गायक श्री गोपाल जी बजाज के बाल सखा हैं। गोपाल जी बजाज के पिता श्री रामप्रसाद जी बजाज के घर के पास ही टंडन जी का बचपन गुजरा। श्री गोपाल बजाज की सुनहरी यादों में खोये टंडन जी ने बताया कि सच पूछो तो श्री गोपाल जी बजाज के गायन, जम्मा आदि का सफर उनके घर से हुआ है। मेरे पिताजी बजाज जी की भजन गायकी से बेहद प्रभावित थे और उन्होंने ही अपने घर में पहला जम्मा आयोजित कर श्री गोपाल बजाज जैसे सर्वकालिक फनकार को उभरने में अपना यथासंभव योगदान दिया।

श्री गोपाल बजाज की संगत के चलते बाबा रामदेव जी के प्रति भक्ति इस प्रकार जागी कि वे 1980 में रामदेव कीर्तन मंडल की स्थापना कर श्री गोपाल बजाज के साथ घर-घर जम्मा जागरण करने लगे। इस मंडल की स्थापना का उद्देश्य शहर हैदराबाद में बाबा का भव्य मंदिर बनवाना था। अनूठी वास्तुकला और धार्मिक आस्था का केंद्र ईसामिया बाजार स्थित अष्टकोणीय (आठ कोणों वाला) रामदेव बाबा मंदिर इन्हीं जम्मा जागरणों की देन है। हर शनिवार जगह - जगह जागरण द्वारा इकट्ठा दान से 1998 में मंदिर की नींव रखी गयी। टंडन जी बचपन से ही पेंटिंग (चित्रकारी) का शौक था। बाबा की भक्ति करते-करते एक दिन टंडन जी के दिमाग़ के घौडे दोडने लगे और उन्होंने सोचा कि क्यों न बाबा के पर्चों को कैनवास पर उतारा जाए। रातभर कल्पना के सागर में गोते लगा रहे श्री सुरेश अग्रवाल को भैरू राक्षस वध वाला रोचक पर्चा याद आने लगा, लेकिन एक ही कैनवास पर ध्यानमग्न ऋषि, कुटिया, भैरव राक्षस, गेंद, गुधडी आदि प्रसंगों को समाहित करना काफी कठिन था। ऐसे समय में हिमायतनगर निवासी सुप्रसिद्ध चित्रकार स्वामी जी और उनकी पत्नी की मदद लेकर पर्चे बनाने का कार्य शुरू हुआ।

श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (टंडन)

24 पर्चे बनाने में करीब चार साल का समय लगा। इन पर्चों को अष्टकोणी रामदेव मंदिर में लगाने की योजना ने मूर्तरूप लेना शुरू किया और 8÷4 आकार वाले कैनवास पर दिन-रात मेहनत द्वारा तैयार बाबा के पर्चे इतने प्रसिद्ध हुए कि आस-पास जिलों व राज्यों के रामदेव मंदिरों में भी हुबहु पर्चे लगाये जाने लगे। आलम यह था कि पाकिस्तान के सुकुर प्रांत में रामापीर के भक्तों ने 50,000 कैलेंडर बांटे, जिनमें बाबा के 24 पर्चे यानि चमत्कार की कहानियाँ प्रकाशित थीं। ईसामिया बाजार रामदेव मदिर में जयपुर की सुविज्ञा शर्मा द्वारा तैयार पर्चों की गोल्ड पेंटिंग सहित 20 किलो चाँदी की पन्नी पर उकेरे गये पर्चे भी आकर्षण का केंद्र है। तंजाऊर पेंटिंग में बना रानी रूपा दे का पर्चा मंदिर की शोभा बडा रहा है। मंदिर में बाबा रामदेव जी द्वारा अपने शिष्यों को दिये गये 24 फरमान भी यहाँ आने वाले दर्शनार्थियों में बाबा की अलख जगा रहे हैं। ईसामिया रामदेव मंदिर में भादवा सुदी दूज, दशमी व मंदिर स्थापना दिवस भव्य रूप से मनाये जाते हैं।

जन्म और प्रारंभिक जीवन

बाबा रामदेवजी का जन्म राजस्थान के बाड़मेर जिले की शिव तहसील के उंडू-कासमीर गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम ठाकुर अजमाल जी और माता का नाम मैणादे था। मान्यता है कि अजमाल जी संतानहीन थे और उन्होंने भगवान द्वारकाधीश की कठिन तपस्या की, जिसके फलस्वरूप भगवान कृष्ण ने स्वयं उनके घर रामदेवजी के रूप में अवतार लिया। इसलिए उन्हें श्री कृष्ण का अवतार भी माना जाता है।

सामाजिक सद्भाव और सामाजिक सुधार

बाबा रामदेवजी ने समाज में फैली ऊंच-नीच, जाति-पाति और छुआछूत जैसी कुरीतियों का कड़ा विरोध किया।

जम्मा जागरण (जम्मा): उन्होंने समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाने के लिए रात्रि जागरण की परंपरा शुरू की, जिसे जम्मा कहा जाता है।

प्रमुख पर्चे (चमत्कार)

कपड़े के घोड़े का पर्चा (दर्जी का पर्चा): बचपन में दर्जी द्वारा दिए गए कपड़े के फटे-पुराने चीथड़ों वाले घोड़े को बाबा ने अपनी शक्ति से आसमान में उड़ा दिया था।

मक्का के पीरों का पर्चा: मक्का से अपने कटोरे मंगवाने आए पाँच पीरों को बाबा ने अपनी शक्ति और भोजन का आमंत्रण देकर उनका संशय दूर किया था।

भैरव राक्षस का वध: पोकरण क्षेत्र में आतंक मचाने वाले अहंकारी भैरव राक्षस का वध कर जनता को भयमुक्त किया था।

माता मैनादे का पर्चा: बाल्यावस्था में सोते हुए ही हाथ के इशारे से उफनते हुए दूध को शांत करना।

सूरतिया जीवनदान / मृत को जीवित करना: मृत व्यक्तियों या जीवों को पुनर्जीवन देने के कई प्रसंग इनके पर्चे में आते हैं (जैसे मरी हुई बिल्ली या अन्य जीवों को जीवित करना)।

मिश्री का लूण (नमक) बनाना: बंजारों के व्यापार के समय नमक को मिश्री में बदल देना।

कामड़िया पंथ: उन्होंने सामाजिक समरसता और समानता का संदेश देने के लिए मकामड़िया पंथफ की स्थापना की। इसमें सभी जातियों के लोगों को समानता का अधिकार दिया गया।

रामशाह पीर नाम कैसे पड़ा?

मान्यता है कि जब बाबा रामदेवजी की प्रसिद्धि और चमत्कारों की चर्चा चारों ओर फैली, तो मक्का (सऊदी अरब) से उनकी परीक्षा लेने के लिए पांच पीर आए।

रामदेवजी ने उनका आदर-सत्कार किया और जब भोजन का समय आया, तो पीरों ने कहा कि वे केवल अपने ही कटोरो (कासा) में भोजन करते हैं जो मक्का में छूट गए हैं। बाबा रामदेवजी ने अपनी दिव्य शक्ति से मक्का में रखे उनके कटोरे पलक झपकते ही वहां प्रकट कर दिए। इस चमत्कार से प्रभावित होकर पीरों ने स्वीकार किया कि हम तो सिर्फ पीर हैं, लेकिन आप पीरों के पीर (रामशाह पीर) हैं। तब से मुस्लिम समाज भी उन्हें पीर मानकर पूजने लगा।

मुख्य रचना: चौबीस बाणियां

बाबा रामदेवजी न केवल एक महान संत और योद्धा थे, बल्कि एक कुशल कवि भी थे। लोकदेवताओं में वे एकमात्र ऐसे देवता हैं जो कवि भी थे। उनकी लिखी रचना को चौबीस बाणियां कहा जाता है, जिसमें उनके उपदेश, सामाजिक समरसता और भक्ति का वर्णन मिलता है।

मुख्य प्रतीक और शब्दावली

नेझा: बाबा रामदेवजी की पांच रंगों वाली ध्वजा (पताका) को नेझा कहा जाता है।

पगल्या: बाबा रामदेवजी के चरण-चिन्हों को पगल्या कहा जाता है, जिनकी पूजा घर-घर में की जाती है।

लीलो (घोड़ा): उनके प्रिय सफेद/नीले घोड़े को लीलो कहा जाता है।

तेरहताली नृत्य: कामड़िया पंथ की महिलाओं द्वारा मेले के दौरान किया जाने वाला प्रसिद्ध लोकनृत्य।

समाधि और रुणेचा धाम

बाबा रामदेवजी ने विक्रम संवत 1412 (भाद्रपद शुक्ल एकादशी) को जैसलमेर जिले के रामदेवरा (रुणेचा) में जीवित समाधि ली थी।

रामदेवरा मेला

प्रतिवर्ष भाद्रपद माह में (भाद्रपद शुक्ल द्वितीया से एकादशी तक) रामदेवरा में एक विशाल मेले का आयोजन होता है। इसे पश्चिम राजस्थान का कुंभ भी कहा जाता है। इस मेले में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु (जिन्हें जातरू कहा जाता है) पैदल यात्रा करके दर्शन करने आते हैं।

संपादकीय

युद्ध शांत करेगा ब्रिक्स?

अमरीका ईरान और रूस-यूक्रेन युद्धों के बीच ब्रिक्स देशों का 18वां शिखर सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि वह युद्धों को शांति, स्थिरता में तबदील कर सकता है। ब्रिक्स सम्मेलन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। भारत इस बार अध्यक्ष एवं मेजबान है। युद्धों ने खाद्य-ऊर्जा संकट पैदा किए हैं, दुनिया भर की सप्लाई चेन बाधित है, विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का कबाड़ा हो चुका है, आपसी भू-रणनीतिक समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और युद्धकालीन कानून बेमानी साबित हो रहे हैं और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अब भी अनाप-शनाप टैरिफ थोपने और पाबंदियां घोषित करने पर आमादा हैं। ब्रिक्स का मंच इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत, रूस, चीन, ब्राजील इसके संस्थापक सदस्य हैं। बाद में दक्षिण अफ्रीका जुड़ा और अब 11 देश पूर्णकालिक सदस्य हैं और 10 पार्टनर देश हैं। वे विश्व की 28 फीसदी नॉमिनल जीडीपी और 50 फीसदी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन और भारत सरीखी आर्थिक महाशक्तियां ब्रिक्स की सूत्रधार हैं और रूस की कूटनीतिक, सामरिक, प्रौद्योगिकी संबंधी ताकत दुनिया जानती है। जब प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति पुतिन, राष्ट्रपति शी जिनपिंग आपस में मिलेंगे, तो इससे बड़ी कूटनीतिक खबर क्या हो सकती है? ब्रिक्स देश आपसी सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य-शिक्षा, सैन्य-साइबर सहयोग, ऊर्जा, अंतरिक्ष संबंधी समझौते पारित कर सकते हैं, लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि पहली बार डिजिटल सेवाओं का साझा करने और उनके कारोबार पर ब्रिक्स देशों के वाणिज्य-व्यापार मंत्रियों में सहमति हुई है। अंतिम मुहर शिखर सम्मेलन में लगाई जाएगी। डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में भारत का स्थान अमरीका, ब्रिटेन, आयरलैंड, जर्मनी के बाद 5वां है। चीन छठे स्थान पर है। ब्रिक्स देशों में डिजिटल सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी करीब 48 फीसदी है, जो बेहद महत्वपूर्ण है। इंटरनेट, ऐप, ई-मेल, वीडियो कॉल और डिजिटल मंच के जरिए सेवाएं सभी ब्रिक्स देशों को भारत की जा सकेंगी। 2024 में भारत ने करीब 24 लाख करोड़ रुपए (269 अरब डॉलर) की सेवाएं विश्व को दी हैं। अब ब्रिक्स समझौते के बाद आईटी, कारोबारी सेवाओं के अलावा वित्तीय, बीमा, रिसर्च, परामर्श, इंजीनियरिंग और शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाएं भी डिजिटल तरीके से दी जा सकेंगी। नीति आयोग के मुताबिक, 2015-24 के बीच भारत का विदेशों में डिजिटल सेवा कारोबार करीब 3-गुना हो गया है। इनमें सॉफ्टवेयर निर्यात, आईटी और बीपीओ सेवाएं सम्मिलित हैं। लेकिन मौजूदा हालात में युद्ध सबसे संवेदनशील, विनाशक और अनिवार्य मुद्दा है, क्योंकि ईरान भी ब्रिक्स का सदस्य देश है। वहां के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान भी आ रहे हैं। जाहिर है कि उनकी कई स्तरों पर बातचीत होगी। रूस के राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर करीब एक घंटा बातचीत की है। शुक्रवार, 11 सितंबर, को भारत के प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन में एक बार फिर द्विपक्षीय संवाद होगा। तय है कि युद्ध की बात जरूर होगी, क्योंकि भारत शांति का पक्षधर है। ईरान और यूक्रेन में व्यापक विनाश, विध्वंस हुए हैं और युद्ध अब भी जारी है। राष्ट्रपति ट्रंप को आश्वस्त किया गया है कि ब्रिक्स अमरीकी और डॉलर-विरोधी मंच नहीं है। वैकल्पिक मुद्रा तय करने का कोई एजेंडा भी नहीं है। यह क्रेमलिन के प्रवक्ता भी स्पष्ट कर चुके हैं। बेशक रूस और ब्राजील आग्रह करते रहे हैं कि ब्रिक्स देश की अपनी ही मुद्रा (करेंसी) होनी चाहिए, लेकिन वैकल्पिक मुद्रा तय करना और अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाना आसान नहीं है। वैश्विक व्यवस्था का सवाल है। हालांकि ब्रिक्स के देश द्विपक्षीय आधार पर अपनी-अपनी मुद्राओं में लेन-देन कर सकते हैं। भारत और रूस, चीन और रूस, चीन और ईरान अपनी मुद्राओं में ही कारोबार कर रहे हैं। जहां तक युद्ध का सवाल है, उसमें अमरीका और रूस-चीन 'पहल' कर सकते हैं। रूस-चीन ईरान को हथियार सप्लाई के साथ खुफिया, सेटेलाइट जानकारियां भी मुहैया करवा रहे हैं। नतीजतन ईरान खाड़ी देशों के अमरीकी सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले करने में कामयाब हो रहा है। दूसरी ओर, अमरीका और यूरोप ने यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसाया था। उसे आर्थिक मदद के अलावा विनाशक मिसाइलें, ड्रोन आदि भी मुहैया कराए थे। अब भी वे मदद कर रहे हैं, हालांकि अमरीका खुद हथियारों के संकट से जूझ रहा है, लेकिन शांति का रास्ता इन्हीं देशों से निकलेगा। क्या ब्रिक्स उसमें सार्थक भूमिका अदा कर सकता है? क्या भारत की ओर से भी इस लड़ाई को खत्म करने के लिए कोई ठोस व सार्थक पहल होगी।

ब्रिक्स सम्मेलन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। भारत इस बार अध्यक्ष एवं मेजबान है। युद्धों ने खाद्य-ऊर्जा संकट पैदा किए हैं, दुनिया भर की सप्लाई चेन बाधित है, विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का कबाड़ा हो चुका है, आपसी भू-रणनीतिक समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और युद्धकालीन कानून बेमानी साबित हो रहे हैं और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अब भी अनाप-शनाप टैरिफ थोपने और पाबंदियां घोषित करने पर आमादा हैं। ब्रिक्स का मंच इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत, रूस, चीन, ब्राजील इसके संस्थापक सदस्य हैं। बाद में दक्षिण अफ्रीका जुड़ा और अब 11 देश पूर्णकालिक सदस्य हैं और 10 पार्टनर देश हैं। वे विश्व की 28 फीसदी नॉमिनल जीडीपी और 50 फीसदी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन और भारत सरीखी आर्थिक महाशक्तियां ब्रिक्स की सूत्रधार हैं और रूस की कूटनीतिक, सामरिक, प्रौद्योगिकी संबंधी ताकत दुनिया जानती है। जब प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति पुतिन, राष्ट्रपति शी जिनपिंग आपस में मिलेंगे, तो इससे बड़ी कूटनीतिक खबर क्या हो सकती है? ब्रिक्स देश आपसी सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य-शिक्षा, सैन्य-साइबर सहयोग, ऊर्जा, अंतरिक्ष संबंधी समझौते पारित कर सकते हैं, लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि पहली बार डिजिटल सेवाओं का साझा करने और उनके कारोबार पर ब्रिक्स देशों के वाणिज्य-व्यापार मंत्रियों में सहमति हुई है। अंतिम मुहर शिखर सम्मेलन में लगाई जाएगी।

भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च रखते हुए सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखना चाहता है

ब्रिक्स सम्मेलन से भारत का विश्व को शांति का संदेश

18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत कर रहा है। ज्ञात रहे कि वर्ष 2026 में भारत चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और इस बार उसका केंद्रीय विषय है (बिल्डिंग फॉर रेसिलिएंस इनोवेशन कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी) अर्थात लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। भारत ने अपनी अध्यक्षता को ह्यूमैनिटी फर्स्ट की सोच से जोड़ते हुए ब्रिक्स को अधिक व्यावहारिक और विकासोन्मुख मंच बनाने पर जोर दिया है। यही इस सम्मेलन से भारत का पहला और सबसे बड़ा संदेश है—विश्व राजनीति को टकराव से निकालकर सहयोग की दिशा में ले जाने की आवश्यकता है। आज विश्व के अनेक हिस्से संघर्ष की आग में झुलस रहे हैं।

पूरा विश्व इस समय जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें भारत के नई दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल राष्ट्राध्यक्षों की एक कूटनीतिक बैठक भर नहीं है। यह सम्मेलन बदलती हुई विश्व व्यवस्था, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता, युद्धों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों और विकासशील देशों की बढ़ती आकांक्षाओं के बीच भारत की भूमिका को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। 12 और 13 सितंबर २०२६ को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत कर रहा है। ज्ञात रहे कि वर्ष 2026 में भारत चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और इस बार उसका केंद्रीय विषय है (बिल्डिंग फॉर रेसिलिएंस इनोवेशन कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी) अर्थात लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। भारत ने अपनी अध्यक्षता को ह्यूमैनिटी फर्स्ट की सोच से जोड़ते हुए ब्रिक्स को अधिक व्यावहारिक और विकासोन्मुख मंच बनाने पर जोर दिया है। यही इस सम्मेलन से भारत का पहला और सबसे बड़ा संदेश है—विश्व राजनीति को टकराव से निकालकर सहयोग की दिशा में ले जाने की आवश्यकता है। आज विश्व के अनेक हिस्से संघर्ष की आग में झुलस रहे हैं।

यूक्रेन संकट, पश्चिम एशिया की अस्थिरता और अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को जटिल बना दिया है। ऐसे समय में भारत लगातार इस बात पर जोर देता आया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। ब्रिक्स का मंच भारत को यह संदेश देने का अवसर देता है कि अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं और राष्ट्रीय हितों वाले देश भी संवाद और सहयोग के माध्यम से साझा समस्याओं पर काम कर सकते हैं। भारत की विदेश नीति का मूल स्वर न तो किसी एक शक्ति-गुट के साथ खड़ा होना है और न किसी दूसरे गुट के विरोध में खड़ा होना। भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च रखते हुए सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखना चाहता है। यही रणनीतिक स्वायत्तता आज भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत बनती दिखाई दे रही है। ब्रिक्स अब केवल पांच देशों का आर्थिक समूह नहीं रह गया है।

इसके विस्तार ने इसे विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना दिया है। भारत इस मंच के माध्यम से ग्लोबल साउथ की उस आवाज को मजबूती देना चाहता है, जो लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करती रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं की निर्णय प्रक्रिया में विकासशील देशों की वास्तविक आर्थिक और जनसंख्या-आधारित ताकत के अनुरूप प्रतिनिधित्व का सवाल लगातार उठता रहा है। भारत का संदेश स्पष्ट है—21वीं सदी की वैश्विक व्यवस्था 20वीं सदी की शक्ति-संरचना के आधार पर नहीं चल सकती। विश्व अर्थव्यवस्था में उभरती अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए वैश्विक संस्थाओं में भी उनकी आवाज और भागीदारी बढ़नी चाहिए। नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण आयाम आर्थिक सहयोग भी होगा। भारत ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, निवेश, वित्तीय सहयोग, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। भारत की अध्यक्षता में व्यापार मंत्रियों की बैठकों में भी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला और विविध बनाने तथा छोटे एवं मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर जोर दिया गया है। भारत का अनुभव बताता है कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, विशेषकर डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन और तकनीक आधारित सेवाएं विकासशील देशों के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकती हैं। इसलिए ब्रिक्स के मंच से भारत का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि तकनीक केवल विकसित देशों का विशेषाधिकार नहीं होनी चाहिए। भारत आज दुनिया के सामने अपनी डिजिटल क्षमता का उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। डिजिटल भुगतान को आम नागरिक तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यदि ब्रिक्स देश डिजिटल भुगतान, फिनटेक, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाते हैं, तो इससे विकासशील देशों के करोड़ों लोगों को लाभ मिल सकता है। यह भारत की उस सोच से मेल खाता है जिसमें तकनीक का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि आम आदमी का सशक्तीकरण भी है। नई दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष भारत-चीन संबंध भी है। चीन की भागीदारी इस सम्मेलन को रणनीतिक रूप से और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और रणनीतिक अविश्वास के बावजूद हाल के वर्षों में संवाद की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह चीन के साथ संवाद बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा चिंताओं से समझौता न करे। यही भारतीय कूटनीति की परीक्षा है—प्रतिस्पर्धा के बीच सहयोग और मतभेदों के बीच संवाद। भारत यह संदेश देना चाहता है कि किसी देश के साथ आर्थिक या राजनीतिक मतभेद होने का अर्थ यह नहीं कि संवाद के सभी रास्ते बंद कर दिए जाएं। ब्रिक्स में रूस की महत्वपूर्ण भूमिका है। वहीं भारत के अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी रणनीतिक संबंध मजबूत हुए हैं। भारत की यही बहुस्तरीय कूटनीति उसे अन्य देशों से अलग करती है। नई दिल्ली किसी एक ध्रुव की राजनीति का हिस्सा बनने के बजाय अनेक शक्तियों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करना चाहती है। यह संदेश भी महत्वपूर्ण है कि भारत की विदेश नीति किसी दूसरे देश की विदेश नीति की छाया नहीं है। भारत अपने हितों के आधार पर अमेरिका के साथ भी संबंध रख सकता है, रूस के साथ भी और चीन के साथ भी संवाद कर सकता है।विश्व में युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने का सीधा प्रभाव ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर पड़ता है। तेल, गैस, उर्वरक, अनाज और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित होने पर सबसे ज्यादा नुकसान विकासशील देशों को होता है। ब्रिक्स के मंच से भारत ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा को सामूहिक वैश्विक जिम्मेदारी के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। सम्मेलन के प्रमुख मुद्दों में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, आपदा-रोधी क्षमता तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना शामिल है।भारत का संदेश होना चाहिए कि विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को भू-राजनीतिक संघर्षों का अनावश्यक शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए। जलवायु परिवर्तन आज पूरी मानवता के सामने चुनौती है। बाढ़, सूखा, अत्यधिक गर्मी, समुद्री स्तर में वृद्धि और बदलते मौसम का प्रभाव गरीब और विकासशील देशों पर अधिक पड़ता है।भारत की अध्यक्षता में सतत विकास और लचीली अर्थव्यवस्था पर जोर इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है।भारत का संदेश यह होना चाहिए कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर विकासशील देशों के विकास के अधिकार को सीमित नहीं किया जा सकता।

देश दुनिया से

विमर्श के केंद्र में 'थॉट्स ऑन पाकिस्तान'

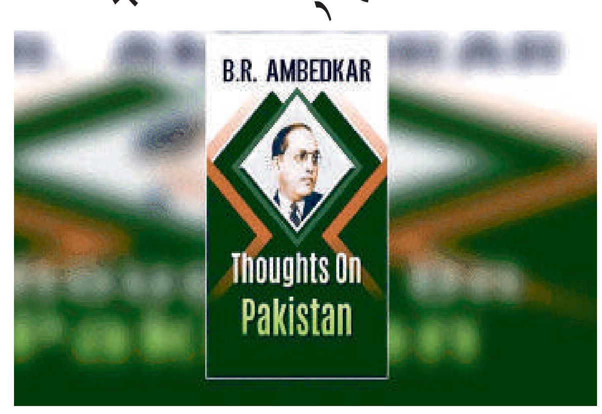

भीम-मीम के राजनीतिक नारे के कोलाहल के बीच डा. भीमराव रामजी अंबेडकर की पुस्तक 'थॉट्स ऑन पाकिस्तान' फिर से विमर्श के केंद्र में आ गई है। ऊपरी तौर से देखने पर ऐसा लगता है कि यह पुस्तक महज विभाजन के प्रश्न की व्याख्या करने के लिखी गई है, लेकिन डा. अंबेडकर ने अधिक गहराई तक उतरते हुए भारत में सांप्रदायिकता की जड़ों को तलाशने का प्रयास भी इस पुस्तक में किया है। इस पुस्तक की मुख्य खासियत ही यही है कि इसमें सांप्रदायिकता के प्रश्न को पूरी बौद्धिक ईमानदारी और साहस के साथ उठाया गया है। इसलिए अब जब सांप्रदायिकता नए-नए चेहरों के साथ सामने आ रही है, तो डा. अंबेडकर की इस पुस्तक का पुनर्पाठ आवश्यक हो जाता है। इस पुस्तक में सांप्रदायिकता के कारणों का विवेचन करते हुए डा. अंबेडकर व्यंग्य शैली में लिखते हैं- 'क्या हिन्दू शासक जाति ने, जो हिन्दू राजनीति पर अपना नियंत्रण रखती है, अस्पृश्य और शूद्रों के हितों की अपेक्षा मुसलमानों के निहित स्वार्थों की सुरक्षा पर अधिक ध्यान नहीं दिया है? क्या श्री गांधी अस्पृश्यों को तो कोई भी राजनीतिक लाभ देने का विरोध करते हैं, लेकिन मुसलमानों के पक्ष में वे एक कोरे चैक पर हस्ताक्षर करने के लिए तत्पर नहीं हैं क्या? वास्तव में हिन्दू शासक जाति अस्पृश्यों तथा शूद्रों के साथ शासन में भाग लेने की अपेक्षा मुसलमानों के साथ शासन में भाग लेने को अधिक तत्पर दिखाई देती है।' अंबेडकर सवर्ण जाति के लोगों को ही हिन्दू शासक जाति कहते हैं। अंबेडकर का यह प्रश्न कांग्रेस की मुस्लिम सांप्रदायिक नीति की पोल तो खोलता ही है, लेकिन उनकी मूल चिंता यह है कि आखिर कांग्रेस द्वारा इतना पालने-पोसने के बाद भी मुसलमान अलग देश की मांग क्यों कर रहे हैं? अंबेडकर का आगे का प्रश्न और भी उत्तेजना भरा है। उनका मानना था कि किसी भी समुदाय की अनावश्यक मांगों को मानने से सामाजिक सौहार्द बढ़ने की बजाय घटता है। कांग्रेस ने तो मुसलमानों को हिंदुओं के अधिकारों पर कुठाराघात करते हुए पहले ही अधिक अधिकार दिए हुए हैं। उनका प्रश्न है- 'क्या विधानसभा में मुसलमानों का प्रतिनिधित्व उनकी जनसंख्या के अनुपात से अधिक नहीं है? क्या कनाडा, दक्षिणी अफ्रीका और स्विटजरलैंड में जातियों की जनसंख्या के अनुपात से भी अधिक प्रतिनिधित्व उन्हें नहीं दिया गया है? क्या जनसंख्या के अनुपात से अधिक प्रतिनिधित्व दिए जाने का भी मुसलमानों पर कोई प्रभाव पड़ा है? क्या इससे विधानसभा में हिन्दुओं का बहुमत घटता नहीं है? इसमें कितनी कमी आई है? अपने आप को केवल ब्रिटिश भारत तक ही सीमित रखते हुए और केवल उसी प्रतिनिधित्व का लेखा जोखा रखते हुए, जो निर्वाचन क्षेत्रों को प्रदान किया गया है, में स्थिति क्या है? भारत सरकार के अधिनियम 1935 के अनुसार केन्द्रीय विधानसभा के निचले सदन में कुल 187 स्थानों में से हिन्दुओं की की संख्या 105 और मुसलमानों की 82 है, जोकि मुसलमानों के जनसंख्या अनुपात से कहीं ज्यादा है।' लेकिन इसके साथ ही अंबेडकर का शाश्वत प्रश्न फिर वहीं का वहीं है, इतने तुष्टीकरण के बाद भी मुसलमान भारत में क्यों नहीं रहना चाहते, वे भारत का विभाजन क्यों चाहते हैं। इस पुस्तक में डा. अंबेडकर की अन्य महत्वपूर्ण स्थापना भारत को एक नैसर्गिक भौगोलिक इकाई के रूप में स्वीकार करना है। उनके लिए विभाजन राजनीतिक और कृत्रिम था। भारत की भौगोलिक एकता की तरफ संकेत करते हुए वह लिखते हैं कि, 'हमें इस मौलिक तथ्य को नहीं भूलना चाहिए कि प्रकृति ने भारत को एक एकल भौगोलिक इकाई के रूप में निर्मित किया है। यह ठीक है कि भारतीय लड़ रहे हैं और कोई भी यह भविष्यवाणी नहीं कर सकता कि वे कब लड़ना बंद करेंगे, लेकिन इस तथ्य को स्वीकारने पर भी आखिर यह तो सोचना पड़ेगा कि इसका अर्थ क्या है? केवल यह कह देना कि भारतीय विवादी होते हैं, इस तथ्य को तो नहीं मिटा सकता कि भारत एक भौगोलिक इकाई है। इसकी एकता उतनी ही प्राचीन है जितनी प्रकृति स्वयं। भौगोलिक एकता के अलावा, यहां अत्यन्त प्राचीन काल से ही सांस्कृतिक एकता भी रही है। इसी सांस्कृतिक एकता ने ही तो यहां के राजनीतिक और जातीय अलगाव को झेला है। पिछले 150 साल से तो सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, वैधानिक और प्रशासनिक संस्थाएं एक सांझे उद्गम स्थल से कार्य कर रही हैं। पाकिस्तान को लेकर किसी भी विवाद के सन्दर्भ में यह तथ्य आंखों से ओझल नहीं किया जा सकता कि मूलतः भारत में आधारभूत एकता विद्यमान है।' अपनी इस पुस्तक में सांकेतिक ढंग से उन्होंने कई महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए हैं, जो आज भी साम्प्रदायिक मानसिकता को समझने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। वह कहते हैं कि, 'कोई इस बात की अनदेखी नहीं कर सकता कि स्वतंत्रता पा लेना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना उसे बनाए रखने के लिए पक्के साधनों का पा लेना। स्वतंत्रता को मजबूत रखने वाली तो अन्ततोगत्वा एक भरोसेमन्द फौज ही है। ऐसी फौज जिस पर हर समय और किसी भी परिस्थिति में, देश के लिए लड़ने हेतु विश्वास किया जा सके। भारत में तो सेना संयुक्त ही होगी, जिसमें हिन्दू और मुसलमान दोनों ही होंगे। मान लीजिये किसी विदेशी शक्ति का भारत पर आक्रमण होता है तो क्या सेना के मुसलमानों का भारत की रक्षा के लिए भरोसा किया जा सकता है? मान लीजिये हमलावर मुसलमानों का हम-मजहब हो तो क्या वे भारत की रक्षा के लिए उनका मुकाबला करेंगे या फिर उनकी तरफ हो जाएंगे। यह सवाल बहुत ही महत्व का है। लेकिन इस प्रश्न का उत्तर इस बात पर निर्भर करेगा कि सेना में शामिल मुसलमानों को अलग राष्ट्र के सिद्धान्त, जो पाकिस्तान की नींव में है, की छूत कहां तक लग गई है।

कुछ अलग

इति चमचा पुराण...

चमचों के लिए यह मौसम परम सुहावना है। हर ओर चुनाव के ढोल बाजे बज रहे हैं। चमचों को चाहिए कि वे इस ओर ध्यान दें। जिस तादाद में चुनावी प्रत्याशियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है, उससे चमचों की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है और उनकी संख्या में भी सतत रूप से इजाफा हो रहा है। यह तो तय है कि चमचों के बिना सब सूना है। आमतौर पर चुनाव किसी भी कीमत पर इनके बिना हो नहीं सकते। किसी भी चुनाव का भविष्य इन पर निर्भर करता है। चुनाव प्रत्याशी की हार-जीत का दारोमदार चमचों पर निर्भर करता है। चमचे चाहें तो नैया पार लगा दें अथवा डुबा दें। इस पावन बेला में इनका स्मरण न करना इनके साथ ज्यादती होगी। वैसे इनकी प्रशंसा में विपुल साहित्य रचा गया है। जिसका लब्बोलुआव यही है कि चमचा पालन आज का फैशन भी बन गया है। कुत्ते पालन की तर्ज पर ही इनकी देखभाल होती है।

आप का नज़रिया

सांसदों की दिशाओं की दिशा

अपनी निधि की सांसदी करते हिमाचल के दो सांसद अलग-अलग दिशाओं की 'दिशा' दिखा गए। मंडी की सांसद कंगना रनौत अगर गुस्से का बहता दरिया दिखी, तो कांगड़ा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज शांत समुद्र की तरह गहरे तक पैठ बना गए। राजनीति अपनी नई परंपराएं स्थापित करते हुए कई बार नेताओं को अपराजेय दिखाना चाहती है, तो सिस्टम में बैठे मोर नाचते हैं। मंडी में सिस्टम के दो पात्र अपनी-अपनी भुजाएं फड़फड़ाते हुए देखे गए, तो कांगड़ा में सामंजस्य के संयम की परिधि देखी गई। ये जनप्रतिनिधियों के मार्फत राष्ट्रीय योजनाओं की वकालत और नवनिर्माण का परिचय है, जो सहज दृष्टि से अवलोकित होना चाहिए। मसले मंडी से उठें या कांगड़ा की तस्वीर में देखे जाएं, सरकारी मशीनरी की आंखें खुली रहनी चाहिएं। संदेश और संवेदना की अभिव्यक्ति में राष्ट्र की सहयोगी मुद्रा आजकल राजनीतिक हो गई है और अगर हम गुण दोष के बीच मर्यादा ढूंढें, तो कतई नहीं मिलेगी, फिर भी राजनीतिक इच्छाशक्ति का तर्जुमा जमीन पर होना चाहिए। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में केंद्र के बजट का स्थानीय अभिलाषा से मिलन हो जाए, तो कम से कम दो पल चैन से सियासत बैठ सकती है, लेकिन इस एहसास को जीना दरअसल कड़वा घूंट पीना है। सांसद निधि के इस्तेमाल की जमीन खोज रहे जनप्रतिनिधियों का राज्य की मशीनरी से टकराव शोभा नहीं देता, इसलिए एक टकराव जनता के नाम हुआ, तो टिप्पणी दायरे में फंसे साहिबों ने अपने दायित्व की वकालत शुरू कर दी। यह अवधारणा बनाना ही गलत है कि योजनाओं के दिशा निर्देशों का पालन विभिन्न सरकारों के बीच नहीं हो सकता। सरकारी मशीनरी के उपयोग में अगर दोष आ गए हैं, तो इनके लिए राजनीति का चरित्र कहीं ज्यादा जिम्मेदार है। दरअसल जिस जनता के नाम पर व्यवस्था होनी चाहिए, वहां सत्ता के प्रभाव में नाको चने चबाने का रिवाज पैदा हो रहा है, फिर भी कार्य संस्कृति के उत्थान में भाषा, शिष्टाचार और अनुशासन की जरूरत है। बहरहाल हम यह तो नहीं कहेंगे कि दिल्ली का पैसा भाजपाई है और हिमाचल की प्रशासनिक व्यवस्था कांग्रेसी, लेकिन कहीं न कहीं राजनीति में पैदा हो रहे इंजिन दोषी हैं। डबल इंजिन या ट्रिपल इंजिन सरकारों की फरमाइश का असर यह कि केंद्र व राज्यों के बीच वित्तीय संबंधों में रंगभेद शुरू हो गया है। उसूल से आपदा प्रभावित मंडी की स्थिति में सांसद के प्रयास उल्लेखनीय हो सकते हैं और कांगड़ा की आर्थिक प्रगति में स्थानीय सांसद की सेवाएं प्रभावी हो सकती हैं। राजनीतिक द्वेष अगर फकीरी बन जाएं, तो केंद्र बनाम राज्यों की चक्की पर मसले यूं ही पीसे जाएंगे। मसलन प्रधानमंत्री ने एक बार हिमाचल के दर्द को समझते हुए पंद्रह सौ करोड़ की त्वरित आपदा राहत की घोषणा की, लेकिन इस राहत की सुबह नहीं हुई। प्रदेश के आर्थिक हित जिस पानी से बंधे हैं, वहां राज्य की वकालत में सांसदों को भूमिका निभानी चाहिए, ताकि शानन विद्युत परियोजना राज्य को मिल जाए और केंद्रीय विद्युत परियोजनाओं में प्रदेश के हिस्से 50 प्रतिशत कमाई आ जाए। आत्मनिर्भरता या राज्य की आर्थिक अस्मिता के सवाल पर केंद्र के उद्गार अगर अतीत में सहायक थे, तो अब वित्तीय सहायता का फ्रेम टूटना नहीं चाहिए। दो सरकारों के बीच आर्थिक पुल अगर टूटता रहा, तो हिमाचल जैसे राज्यों का राजनीतिक गणित भी नहीं बचेगा।

मंडी की सांसद कंगना रनौत अगर गुस्से का बहता दरिया दिखी, तो कांगड़ा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज शांत समुद्र की तरह गहरे तक पैठ बना गए। राजनीति अपनी नई परंपराएं स्थापित करते हुए कई बार नेताओं को अपराजेय दिखाना चाहती है, तो सिस्टम में बैठे मोर नाचते हैं। मंडी में सिस्टम के दो पात्र अपनी-अपनी भुजाएं फड़फड़ाते हुए देखे गए, तो कांगड़ा में सामंजस्य के संयम की परिधि देखी गई। ये जनप्रतिनिधियों के मार्फत राष्ट्रीय योजनाओं की वकालत और नवनिर्माण का परिचय है, जो सहज दृष्टि से अवलोकित होना चाहिए। मसले मंडी से उठें या कांगड़ा की तस्वीर में देखे जाएं, सरकारी मशीनरी की आंखें खुली रहनी चाहिएं। संदेश और संवेदना की अभिव्यक्ति में राष्ट्र की सहयोगी मुद्रा आजकल राजनीतिक हो गई है और अगर हम गुण दोष के बीच मर्यादा ढूंढें, तो कतई नहीं मिलेगी, फिर भी राजनीतिक इच्छाशक्ति का तर्जुमा जमीन पर होना चाहिए। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में केंद्र के बजट का स्थानीय अभिलाषा से मिलन हो जाए, तो कम से कम दो पल चैन से सियासत बैठ सकती है, लेकिन इस एहसास को जीना दरअसल कड़वा घूंट पीना है। सांसद निधि के इस्तेमाल की जमीन खोज रहे जनप्रतिनिधियों का राज्य की मशीनरी से टकराव शोभा नहीं देता, इसलिए एक टकराव जनता के नाम हुआ, तो टिप्पणी दायरे में फंसे साहिबों ने अपने दायित्व की वकालत शुरू कर दी। यह अवधारणा बनाना ही गलत है कि योजनाओं के दिशा निर्देशों का पालन विभिन्न सरकारों के बीच नहीं हो सकता। सरकारी मशीनरी के उपयोग में अगर दोष आ गए हैं, तो इनके लिए राजनीति का चरित्र कहीं ज्यादा जिम्मेदार है। दरअसल जिस जनता के नाम पर व्यवस्था होनी चाहिए, वहां सत्ता के प्रभाव में नाको चने चबाने का रिवाज पैदा हो रहा है।

दृष्टि कोण

सामान की खरीददारी में कुछ तो ईमानदारी दिखाओ

हिमाचल प्रदेश के विद्यालयों व महाविद्यालयों सहित सभी प्रकार के शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान खरीदा जाता है, मगर इस खेल सामान को उपयोग में लाती बार खिलाडियों को बहुत मायूस होना पड़ता है। क्योंकि यह खेल सामान बच्चों के खिलौनों की तरह बहुत ही नकली होता है और यह नाम का खेल सामान खिलाडियों को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाता है। इस बार भी शिक्षा निदेशालय द्वारा खरीदा खेल सामान बहुत ही घटिया स्तर का है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व को अचंभित कर रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं। ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं करोड़ों खेलेंगे, तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरे हैं।

हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है तो कीमत बढ़िया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जंप, कबड्डी मैट व मुक्केबाजी रिंग इसके उदाहरण आज भी देखे जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल में ही कबाड़ हो चुके हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महाविद्यालय को दी जा रही है। जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों।

टी20 में नंबर एक गेंदबाज रहे अर्शदीप टेस्ट में जगह का कर रहे इंतजार

चंडीगढ़

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अब तक के अपने करियर में सीमित ओवरों के प्रारुप में अपने अच्छे प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट टीम में जगह पक्की कर ली है पर वह अभी तक टेस्ट क्रिकेट में जगह नहीं बना पाये हैं। स्वयं अर्शदीप भी मानते हैं कि लाल गेंद के इस पारंपरिक प्रारूप में आगे की राह उनके लिए आसान नहीं रहेगी।

उन्होंने माना है कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपेक्षाकृत कम मैच खेलना भी इसका एक कारण रहा है जिससे वह टेस्ट के लिए तैयार नहीं हो पाये हैं। दिसंबर 2019 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने के बाद से ही वह सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हैं हालांकि इस तेज गेंदबाज ने केवल 24 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। इनमें से उनके 23वें और 24वें मैच इस सत्र की दलीप ट्राफी में खेले गए, जो लगभग एक साल के अंतराल के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनकी वापसी थी। उन्होंने दलीप ट्राफी में मिले इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने की कोशिश की, जहां उनकी टीम, नार्थ ज़ोन, सेमीफाइनल चरण तक पहुंची।

दलीप ट्राफी के बाद वह अपनी शेर-ए-पंजाब टीम लुधियाना लायंस में शामिल हुए। अर्शदीप ने अपने टेस्ट बुलावे के इंतजार को लेकर कहा, मैं टेस्ट के लिए बुलावे के लिए तैयार रहने के लिए अपने नियंत्रण में सब कुछ करता हूं। उन्होंने आगे कहा, प्रथम श्रेणी के खेलों में लंबा अंतराल तैयारी के लिए आदर्श नहीं हो सकता है, लेकिन मैं केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सकता हूं जो मैं मौका मिलने पर तैयार रहने के लिए कर सकता हूं। 27 वर्षीय इस युवा गेंदबाज ने आत्मविश्वास के साथ कहा, टेस्ट टीम के लिए प्रतिस्पर्धा करना एक सम्मान है जिसका मैं बहुत इंतजार कर रहा हूं, और मैं भारत के लिए फर्क करने की अपनी क्षमता में पूरी तरह आश्वस्त हूं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने बताया कि दलीप ट्राफी में खेलते हुए अपने शरीर की क्षमताओं को समझना उनके द्वारा किए गए प्राथमिक कार्यों में से एक था। अर्शदीप के अनुसार, एक तेज गेंदबाज के रूप में, प्रथम श्रेणी के खेल खेलना आमतौर पर शरीर के लिए बेहद कठिन होता है जो कभी-कभी बहुत अधिक ऊर्जा और सहनशक्ति की मांग करते हैं। लेकिन एक तेज गेंदबाज के तौर पर, मुझे इस कार्यभार को प्रबंधित करने और हर बार जब मैं गेंदबाजी करने के लिए दौड़ता हूं तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में भी बहुत गर्व महसूस होता है। दो बार के टी20 विश्व कप विजेता ने अपनी दलीप ट्राफी भागीदारी से मिली सीख के बारे में बताया, मुख्य सीख अपने शरीर को समझना और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है ।

दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल से सिराज की लय लौटी:बोले- दो महीने के ब्रेक से शरीर सुस्त पड़ा, श्रीलंका में रन-अप बिगड़ गया था

चेन्नई । चेन्नई में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने के बाद उनकी लय और रफ्तार वापस आ गई है। सिराज ने बताया कि 8 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट खत्म होने के बाद उन्होंने दो महीने का ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद शरीर सुस्त महसूस कर रहा था, जिसका असर श्रीलंका दौरे पर रन-अप और गेंदबाजी की रफ्तार पर पड़ा था। सिराज ने कहा श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज में सिराज करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे, जबकि उनकी सामान्य रफ्तार 140 से 145 किलोमीटर प्रति घंटे रहती है। उन्होंने श्रीलंका दौरे पर चार पारियों में 44 ओवर गेंदबाजी की और 4 विकेट लिए। हालांकि, इस दौरान वह अपनी सामान्य रफ्तार और लय में नजर नहीं आए। सिराज ने कहा कि चेपॉक में दलीप ट्रॉफी फाइनल के दौरान 41 ओवर गेंदबाजी करने से उन्हें काफी फायदा हुआ। उन्होंने कहा, यहां सब कुछ अपनी जगह पर आ गया और रफ्तार अपने आप लौट आई। यह बहुत मुश्किल था। हम श्रीलंका से सीधे आए थे। उन्होंने आगे कहा, दूसरे टेस्ट में हमने साढ़े तीन दिन फील्डिंग की थी। इसके एक हफ्ते के भीतर हम चेन्नई की तेज गर्मी में खेल रहे थे। लेकिन मेरे लिए बात जुनून की है।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपन: सबालेंका ने पेगुला को सीधे सेटों में हराया, लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं

न्यूयार्क। शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को सीधे सेटों

में हराकर यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सबालेंका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में तीसरी वरीय पेगुला को 7-5, 6-2 से शिकस्त दी और लगातार चौथे वर्ष खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। सबालेंका इस जीत के साथ लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को भी बरकरार रखने में सफल रहीं। हालांकि, खिताब जीतने की स्थिति में भी वह दुनिया की नंबर एक रैंकिंग बरकरार नहीं रख पाएंगी और उनकी जगह एलेना राइबाकिना शीर्ष स्थान हासिल करेंगी। 28 वर्षीय सबालेंका ने मुकाबले में सात ऐस समेत 29 विनर्स लगाए। उनकी ताकतवर ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने पेगुला लगातार दबाव में रहीं। सबालेंका अब शनिवार को होने वाले फाइनल में दूसरी वरीय राइबाकिना और चौथी वरीय कोको गाफ के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेंगी। सबालेंका ने जीत के बाद कहा, मैं बेहद खुश हूं कि मैं इस तरह का टेनिस खेल सकी। मैं जीत के लिए बेताब थी। मैं इसे बहुत बुरी तरह जीतना चाहती थी। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार सर्विस की और मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सबालेंका पेगुला की सर्विस के खिलाफ ज्यादा मौके नहीं बना पा रही थीं और उनकी निराशा भी नजर आई। हालांकि, उन्होंने अपना ध्यान बनाए रखा। 5-6 के स्कोर पर सर्विस कर रहीं पेगुला 0-40 से पिछड़ गईं। उन्होंने एक सेट प्वाइंट बचाया, लेकिन अगला मौका नहीं बचा सकीं।

सेंटेनर ने राष्ट्रीय टीम से खेलने बिग बैश का प्रस्ताव ठुकराया

वेलिंगटन। एक ओर जहां आजकल क्रिकेटर टी20 लीग खेलने के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम तक से खेलने से इंकार कर रहे हैं। वहीं न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने आस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) से मिले प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को ही सबसे अधिक महत्व देते हैं। सैंटनर ने कहा कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बड़ा कुछ नही हैं। सैंटनर ने भारत और आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज खेलने के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स के आकर्षक अनुबंध को छोड़ दिया है। एडिलेड स्ट्राइकर्स ने इस स्पिनर से बीबीएल में शामिल होने के लिए संपर्क किया था, और उन्हें एक अच्छी पेशकश भी की गई थी सैंटनर ने इस प्रस्ताव पर विचार भी किया पर अंत में उन्होंने अपनी सेवाएं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ही देने का फैसला किया। न्यूजीलैंड की टीम को अगले माह 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक भारत से खेलना है।

बांग्लादेश को 40 रन से हराकर भारत 10वीं बार एशिया कप फाइनल में

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 40 रन से हराकर 2026 महिला एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के फाइनल में 10वीं बार प्रवेश किया है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 149 रन बनाए। टीम की ओर से शेफाली वर्मा ने सर्वाधिक 64 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 40 गेंदों का सामना करते हुए सात चौके और तीन छक्के लगाए। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 24, ऋचा घोष ने 21, प्रतिका रावल ने 20 और दीप्ति शर्मा ने 13 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना केवल दो रन बना सकीं, जबकि भारती फुलमाली बिना खाता खोले रन आउट हो गईं। बांग्लादेश की ओर से सुल्ताना खातून ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने लगातार विकेट गंवाती रही और 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन ही बना सकी। शोर्ना अख्तर ने 22 रन बनाकर टीम की ओर से सबसे बड़ी पारी खेली। उनके अलावा दिलारा अख्तर ने 21, कप्तान निगरा सुल्तान ने 19 और शोभना मोस्तरी ने 18 रन बनाए। भारत की गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा सबसे प्रभावी रहीं। उन्होंने तीन विकेट लेकर बांग्लादेश की रन गति पर अंकुश लगाए रखा। अब भारतीय टीम की नजरें खिताबी मुकाबले में अपना शानदार अभियान पूरा कर एशिया कप ट्राफी जीतने पर होंगी।

भारत से मुकाबले के लिए ब्राजील ने शामिल किये विनीसियस, राफिन्हा जैसे खिलाड़ी

रियो डी जनेरियो

अब भारतीय प्रशंसकों को अगले माह ब्राजील की फुटबाल टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले में रियाल मैड्रिड के स्टार फारवर्ड विनीसियस जूनियर, बार्सिलोना के विंगर राफिन्हा और पेरिस सेंट-जर्मेन के मार्क्विनहोस जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी देखने का अवसर मिलेगा।

इसका कारण है कि ब्राजील ने भारतीय टीम के खिलाफ 3 अक्टूबर को होने वाले एक मैच के लिए इन तीनों ही स्टार फुटबालरों को अपनी 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेला जाएगा। यह पहला अवसर होगा जब भारतीय टीम ब्राजील से खेलेगी। इसी कारण इस मुकाबले को लेकर लोगों में उत्साह है।

ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने ब्राजील फुटबाल महासंघ (सीबीएफ) के मुख्यालय में विश्व कप के बाद अपनी पहली टीम की घोषणा की। एंसेलोटी ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित मिश्रण पर जोर दिया है, जिसमें 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में खेलने की पात्रता रखने वाले कई खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

विनीसियस जूनियर, राफिन्हा और मार्क्विनहोस जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ, आर्सेनल के गेब्रियल मैगलहेस और ब्रूनो गुइमारेस जैसे नामों को भी टीम में बनाये रखा गया है। एंसेलोटी ने कहा, हमें एक संतुलित टीम तैयार करनी होगी जिसमें पिछले सत्र में खेलने वाले खिलाड़ियों के अलावा युवा खिलाड़ी भी शामिल हों। हमारा मकसद प्रतिस्पर्धा बनाए रखते हुए भविष्य के लिए कुछ मजबूत आधार तैयार करना है। टीम में सबसे अहम बदलाव रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग में देखने को मिले हैं। ब्राजील ने पिछले विश्व कप के लिए चुने गए गोलकीपरों की तिकड़ी एलिसन, एडर्सन और वेवर्टन को टीम से बाहर कर दिया है, और ह्यूगो सूजा को पहली पसंद के गोलकीपर के रूप में शामिल किया है।

पेड्रो मोरिस्को और ओटावियो अन्य दो गोलकीपर हैं। रक्षापंक्ति में मार्क्विनहोस और मैगलहेस जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ आर्थर डायस, जायर, मैथ्यूज़िन्हो और माउरो जूनियर जैसे युवा प्रतिभाओं को अवसर दिया गया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय का डब्ल्यूएफआई को निर्देश : विनेश की याचिका पर सुनाई के दौरान की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को देश और खिलाड़ी के हितों के बीच संतुलन कायम करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश बनाने चाहिए विशेषकर उस महिला खिलाड़ी के लिए जो मातृत्व के बाद दोबारा खेल के मैदान पर लौटती है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि यह दुखद है कि महिलाओं को शादी और बच्चे के जन्म के बाद अपने करियर को पीछे रखना पड़ता है जबकि पुरुष अपने-अपने करियर में आगे बढ़ते रहते हैं। अदालत ने कहा कि डब्ल्यूएफआई के पास निश्चित दिशानिर्देश और समयसीमा होनी चाहिए क्योंकि इनके अभाव में अन्याय की स्थिति पैदा होती है। अदालत की यह टिप्पणी पहलवान विनेश फोगाट की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। मातृत्व अवकाश के बाद खेल में वापसी करने वाली विनेश ने 2026 सीनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए महिलाओं के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति मांगी है। अदालत ने कहा कि वह इस आवेदन पर आदेश पारित करेगी। सुनवाई के दौरान विनेश के वकील ने कहा कि वे कंस्टीट्यूशन क्लब में कारण बताओ नोटिस की बैठक में शामिल होने गए थे, लेकिन डब्ल्यूएफआई की ओर से वहां कोई मौजूद नहीं था। इसके बाद महासंघ ने कहा कि वह बैठक में शामिल नहीं हुईं। वकील ने दलील दी, यह एक संस्थान द्वारा जानबूझकर मुझे निशाना बनाने का मामला है। प्रथम दृष्टया मैं उनकी ओर से दुर्भावना और पक्षपात दिखाने में सक्षम हूं। डब्ल्यूएफआई ने इस मामले में पूरी तरह मनमाना रवैया अपनाया है। उन्हें चयन मानदंड के बारे में केवल सात सितंबर को बताया गया जबकि ट्रायल 14 सितंबर को निर्धारित हैं। हालांकि डब्ल्यूएफआई की ओर से पेश वकील ने कहा कि फोगाट को भाग लेने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है और अगर वह नीति के अनुसार पात्र हैं तो वह चयन ट्रायल में हिस्सा ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि 2025 और 2026 के पदक विजेता पात्र होंगे और फोगाट का पदक जीतकर फिर से राज्यों तथा राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए शीर्ष स्तर पर लौटने के लिए स्वागत है क्योंकि उन्होंने कई वर्षों से पदक नहीं जीते हैं। वकील ने दलील दी, मातृत्व की बात करें तो ऐसी अन्य महिला पहलवान भी हैं जिन्होंने मातृत्व के बाद भारत के लिए पदक जीते हैं। वे अपनी ताकत वापस हासिल करती हैं। अच्छा प्रदर्शन करती हैं।

यूएस ओपन: राइबाकिना ने गाफ को हराया, सबालेंका से होगा खिताबी मुकाबला

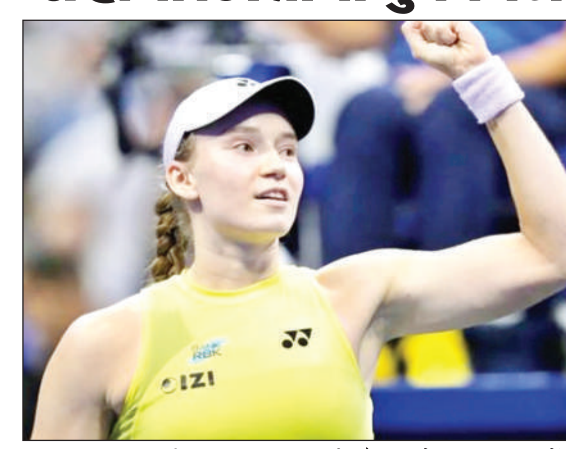

न्यूयार्क

कजाखस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेना राइबाकिना ने कड़े मुकाबले में घरेलू पसंदीदा कोको गाफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2026 महिला एकल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा।

दूसरी वरीय राइबाकिना इस जीत के साथ यूएस ओपन के बाद दुनिया की नई नंबर एक खिलाड़ी बनना सुनिश्चित कर चुकी हैं। उन्होंने सबालेंका को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। हालांकि, अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए उन्हें फाइनल में सबालेंका की चुनौती से पार पाना होगा।

राइबाकिना ने मैच के बाद कहा, मुझे पहले सेट में लगा कि यह बहुत अच्छी शुरुआत थी और सिर्फ एक ब्रेक का अंतर था, लेकिन निश्चित रूप से दबाव था। कोको शानदार खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। रैलियों को नियंत्रित करना बहुत कठिन होता है। मैंने बस गहरी सांस ली और खुद से सकारात्मक बातें कीं, ताकि अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश कर सकूं।

गाफ ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और कजाख खिलाड़ी पर दबाव बनाए रखा। छठे गेम में उन्होंने राइबाकिना की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया।

दूसरे सेट में गाफ का स्तर थोड़ा गिरा और उनकी कुछ गलतियों का राइबाकिना ने फायदा उठाया। राइबाकिना ने लगातार दबाव बनाते हुए सेट 6-4 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया।

निर्णायक सेट में राइबाकिना ने एक अतिरिक्त गियर हासिल किया और सर्विस ब्रेक करके 5-3 की बढ़त बना ली। गाफ ने तुरंत वापसी करते हुए उनकी सर्विस तोड़ी, लेकिन राइबाकिना ने अगले गेम में फिर ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए मैच अपने नाम कर लिया। गाफ की हार के साथ इस साल किसी भी अमेरिकी महिला या पुरुष खिलाड़ी के ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने का सिलसिला भी समाप्त हो गया।

काउंटी में कुलदीप को 10 विकेट

लीड्स । लीड्स के हेडिंग्ले में एसेक्स के खिलाफ काउंटी चैम्पियनशिप मैच में कुलदीप यादव ने 10 विकेट लिए। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पहली बार एक मैच में 10 विकेट लिए हैं। उनके प्रदर्शन से यार्कशायर ने एसेक्स को पारी और 106 रन से हराया। यार्कशायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 390 रन बनाए। कुलदीप ने 94 गेंदों पर 36 रन भी बनाए। इसके जवाब में एसेक्स की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई। कुलदीप ने 23 ओवर में 70 रन देकर 4 विकेट लिए। फालोआन खेलते हुए एसेक्स की दूसरी पारी में कुलदीप ने 16 ओवर में 50 रन देकर 6 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी के सामने एसेक्स की टीम 40 ओवर में 113 रन पर आलआउट हो गई। कुलदीप ने मैच में कुल 10 विकेट लिए और 120 रन दिए। कुलदीप ने मैच से पहले हेडिंग्ले की पिच को अपनी गेंदबाजी के लिए बेहतर बताया था। उन्होंने कहा था कि विकेट में पहले से तेजी थी, इसलिए उन्हें गेंद को ज्यादा तेज फेंकने की जरूरत नहीं पड़ी।

रोहित का लक्ष्य एशियाई खेलों में पदक जीतना

नई दिल्ली

भारत के युवा भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव का लक्ष्य अब 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है। रोहित के अनुसार वह नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में देश के लिए पदक जीतकर उनकी कमी पूरी करना चाहते है। नीरज फिट नहीं होने के कारण एशियाई खेलों से बाहर हो गये हैं।

ऐसे में रोहित का लक्ष्य पोडियम पर पहुंचकर देश के लिए पदक जीतना है। गौरतलब है कि इस साल, रोहित का प्रदर्शन ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में अच्छा नहीं रहा था, जहां वह केवल 81.56 मीटर का थ्रो किया था पर इसके बाद 22 अगस्त को भुवनेश्वर में आयोजित विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर सिल्वर मीट में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 87.68 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। रोहित को पूरा भरोसा है कि वह एशियाई खेलों में अपने इस प्रदर्शन को और बेहतर कर सकते हैं।

रोहित ने कहा, मैं कोई दबाव नहीं ले रहा हूं, हालांकि मुझे पता है कि लोगों को मुझसे काफी उम्मीदें हैं। नीरज का यहां नहीं होना निराशाजनक है पर हमें इसे स्वीकार करना होगा। नीरज का पदक शत प्रतिशत पक्का माना जा रहा था पर मैं उनकी जगह भरने की कोशिश करूंगा। मुझे पता है कि मैं उनकी जगह नहीं ले सकता पर मैं पोडियम पर पहुंचने की कोशिश करूंगा।

मैं अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने की कोशिश करूंगा जिससे पदक जीतने वालों में शामिल हो सकूं। रोहित ने नीरज की उपलब्धियों को सराहा। उन्होंने कहा, नीरज का स्थान अलग है। उन्होंने देश के लिए इतिहास बनाया है और दुनिया में हर तरह के पदक जीते हैं। मैं भी उनकी उपलब्धियों जैसा प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगा, ताकि देश को मुझ पर गर्व हो।

अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए रोहित का मानना है कि उन्हें डायमंड लीग जैसी शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की जरूरत है। अगर मैं ऐसा कर पाया तो इससे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। मेरा लक्ष्य अगले साल सभी बड़ी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना है, ताकि जिससे के स्तर तक पहुंच सकूं और भारत को गौरवान्वित कर सकूं।

राष्ट्रमंडल खेलों के बाद अपनी तैयारी के बारे में रोहित ने बताया कि उन्होंने अपनी तकनीक में कोई खास बदलाव नहीं किया, बल्कि अपनी लय और मानसिकता पर काम किया।

रोहित किसी खास दूरी को लक्ष्य नहीं बना रहे हैं। उनका एकमात्र लक्ष्य एशियाई खेलों में पोडियम पर पहुंचकर पदक जीतना है। उन्हें यहां श्रीलंका के भाला फेंक एथलीट रूमेश पथिरागे और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम से चुनौती मिलेगी।

डी काक, बटलर और धोनी हैं टी20 के शीर्ष तीन विकेटकीपर

मुम्बई

विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक विकेटकीपर हुए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी काक, से लेकर भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और इंग्लैंड के जोस बटलर हैं। वहीं अगर टी20 प्रारुप की बात करें तो डी काक टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज़्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की सूची में नंबर एक पर हैं। वही इंग्लैंड के बटलर दूसरे और धोनी तीसरे स्थान पर हैं।

डी काक ने अपने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर (2012-2026) में 110 मैचों की 109 पारियों में विकेटकीपिंग करते हुए कुल 117 शिकार किए हैं, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। इनमें 98 कैच और 19 स्टंपिंग शामिल हैं। उनकी प्रति पारी 1.073 शिकार की औसत और एक पारी में अधिकतम चार कैच लपकने की क्षमता उनकी फुर्ती का प्रमाण है, जिसने दक्षिण अफ्रीकी टीम को कई बार जीत मिली। वहीं इंग्लैंड के बटलर दूसरे स्थान पर हैं। साल 2011 से 2026 तक के अपने लंबे टी-20 करियर में, बटलर ने 130 पारियों में विकेटकीपर के रूप में 109 शिकार किए हैं, जिनमें 87 कैच और 22 स्टंपिंग शामिल हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.838 रहा है, जो उनकी निरंतरता को दिखाता है। एक पारी में अधिकतम पांच शिकार (चार कैच और एक स्टंपिंग) उनके नाम है।

वहीं भारत के धोनी ने साल 2006 से 2019 के बीच 97 पारियों में 91 शिकार किए और इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, उनका सबसे बड़ा प्रभाव 34 स्टंपिंग के विश्व रिकार्ड में दिखता है, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। 57 कैच के साथ, तेजी से स्टंपिंग करने में उनका कोई जवाब नहीं था। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.938 रहा और उन्होंने एक पारी में अधिकतम पांच कैच भी लपके थे। इसके अलावा एसोसिएट देशों के विकेटकीपरों ने भी अपने असाधारण प्रदर्शन से दुनिया को हैरान किया है। केन्या के इरफ़ान करीम ने केवल 62 पारियों में 90 शिकार किये हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 1.451 है, जो शीर्ष खिलाड़ियों में सबसे बेहतरीन है। रवांडा के डिडिएर नदिकुबविमाना भी 98 पारियों में 89 शिकार किये है।

गौ सेवा और अन्न सेवा राधे-राधे ग्रुप को मिला ईश्वरीय आशीर्वाद : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में भाद्रपद अमावस्या के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गौ सेवा एवं अन्न सेवा का विशेष आयोजन किया गया। अमावस्या के पवित्र दिन आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में श्रद्धा, समर्पण और मानवता का अद्भुत संगम देखने को मिला। गौ माता की सेवा के साथ जरूरतमंदों को अन्न सेवा प्रदान कर राधे-राधे ग्रुप ने सेवा और संस्कार की अपनी परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाया। इस अवसर पर अपने भावपूर्ण विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि गौ सेवा और अन्न सेवा का सौभाग्य राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद को ईश्वरीय प्रेरणा से मिला है। यही कारण है कि ग्रुप द्वारा सेवा का यह पुनीत कार्य निरंतर पूरी श्रद्धा, निष्ठा और निस्वार्थ भाव से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस सेवा में स्वार्थ नहीं होता, वही सेवा सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना बन जाती है।जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि भूखे को भोजन कराना और गौ माता की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी भारतीय संस्कृति और संस्कारों की पहचान है। राधे-राधे ग्रुप का प्रयास है कि सेवा का यह भाव समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे और अधिक से अधिक लोग मानव सेवा, गौ सेवा तथा परोपकार के कार्यों से जुड़ें। उन्होंने कहा कि सेवा के माध्यम से किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सबसे बड़ा पुण्य है।इस अवसर पर भाद्रपद अमावस्या की संपूर्ण सेवा मुन्नालाल दवासाज, अफजलगंज की ओर से की गई। सेवा कार्य में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, आकाश विजयवर्गीय, दीपक विजयवर्गीय, हर्ष विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल एवं लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मार्गदर्शनी सोसाइटी में सिकंदराबाद कंटोनमेंट के पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रसूलपुरा स्थित मार्गदर्शनी सोसाइटी के मैदान एवं भवन का सिकंदराबाद कंटोनमेंट के कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान सभी ने सहयोग प्रदान किया तथा आवश्यक विषयों पर विचार-विमर्श किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष अविनाश भंडारी, उपाध्यक्ष प्रमोद तुलस्यान, सचिव राजकुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव सत्यनारायण मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनिवास मूंदड़ा, मुकेश कटारिया, मार्गदर्शक राम सिंह चौहान एवं रमेश पी. तातेड, मनोज भोर्डतरिया, देवेंद्र भाई सहित सोसाइटी के अन्य सदस्य एवं लोग उपस्थित रहे।

हिलेस की मासिक कवि गोष्ठीआज

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 620वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन शनिवार, 12 सितंबर अपराह्न 3:00 बजे से अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, 9वीं मंज़िल, आबिड्स, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।इस अवसर पर गणेशोत्सव : विविधता में एकता और सामाजिक समरसता का पर्व(विभिन्न धर्मों, भाषाओं और समुदायों को जोड़ने में गणेशोत्सव की भूमिका तथा भाईचारे का संदेश) विषय पर चर्चा आयोजित की जाएगी। कवयित्री आशा ठाकुर, कवयित्री विद्या दवे श्रीमाली, कवि ठाकुर दिनेश सिंह तथा लेखक विनय कुमार सिंह अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

अमावस्या पर बड़ागांव वाले परिवार ने कराया अन्नप्रसाद

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागांव वाले परिवार की ओर से गोल्डन टेंपल, बंजारा हिल्स में सितंबर माह की भादवा बदी अमावस के अवसर पर करीब 400 स्थानीय निवासियों में अन्नप्रसाद वितरित किया गया।

परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 38 माह से गोल्डन टेंपल में निरंतर अन्नप्रसाद वितरित किया जा रहा है। आज के अन्नप्रसाद में चावल, सब्जी, सांभर, चटनी, छाछ तथा मिठाई में पेड़ा आदि उपलब्ध कराया गया।

अन्नप्रसाद वितरण से पूर्व हरे कृष्ण मंत्र के साथ अन्नप्रसाद की प्रार्थना की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं एवं स्थानीय निवासियों को अन्नप्रसाद वितरित किया गया।

सिकंदराबाद में पर्युषण महापर्व के अंतर्गत वाणी-संयम दिवस का आयोजन

वाणी को बाण नहीं, वीणा बनाएं : मुनि दीप कुमार

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डायमंड पॉइंट स्थित राजर-ाजेश्वरी गार्डन में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व के चतुर्थ दिन 'वाणी-संयम दिवस' का आयोजन जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर वाणी के महत्व, उसके सदुपयोग तथा संयमित भाषा के माध्यम से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संदेश दिया गया।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि मनुष्य की वाणी केवल विचार व्यक्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि उसमें संबंधों को बनाने और बिगाड़ने की शक्ति भी होती है। उन्होंने कहा, अपनी वाणी को सुधारिए और ऐसे बोलिए कि दिलों में वह वीणा की झंकार का आनंद दे जाए। वाणी को बाण नहीं, वीणा बनाएं। उन्होंने कहा कि हमारे शब्द सामने वाले के मन में उत्साह, प्रसन्नता और विश्वास पैदा कर सकते हैं, वहीं वही शब्द किसी के हृदय को चोट भी पहुंचा सकते हैं। इसलिए बोलने से पहले यह विचार करना आवश्यक है कि हमारे शब्दों का परिणाम क्या होगा।

बोलने की मात्रा नहीं, गुणवत्ता महत्वपूर्ण

मुनिश्री ने कहा कि भाषा का विकास मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। प्रत्येक व्यक्ति में बोलने का सामर्थ्य अलग-अलग होता है, लेकिन वास्तविक महत्व बोलने की मात्रा का नहीं, बल्कि गुणवत्ता का है। व्यक्ति कितना बोलता है, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वह क्या बोलता है, क्यों बोलता है और किस प्रकार बोलता है।

उन्होंने कहा कि आज मनुष्य के पास संवाद के अनेक साधन हैं, लेकिन संवाद में संयम और संवेदनशीलता का अभाव दिखाई देता है। कई बार छोटी-सी बात लंबे विवाद का कारण बन जाती है। एक शब्द संबंधों को जोड़ सकता है तो एक शब्द वर्षों पुराने संबंधों में दूरी पैदा कर सकता है। इसलिए वाणी-संयम केवल मौन रहने का नाम नहीं है, बल्कि वाणी का विवेकपूर्ण और सार्थक उपयोग करना भी वाणी-संयम है।

मुनिश्री ने कहा कि निरर्थक बोलना अपनी ऊर्जा को नष्ट करना है। जो बात आवश्यक नहीं है, उसे बोलने से बचना चाहिए। वहीं प्रयोजनवश, सार्थक और हितकारी बोलना कभी-कभी मौन से भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। आचार्यश्री महाश्रमणजी के संदेश को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा, अनावश्यक न बोलना सबसे बड़ा मौन है।

वाणी-संयम को जीवन में उतारने के लिए उन्होंने चार सूत्र बताए। पहला, व्यक्ति मितभाषी बने, अर्थात कम बोले और जितना बोलना जरूरी हो उतना ही बोले। हर बात पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक नहीं है। कई बार चुप रह जाना ही सबसे सुंदर उत्तर होता है।

दूसरा, व्यक्ति मधुरभाषी बने। उसकी वाणी में मिठास हो, क्योंकि मधुर शब्दों का प्रभाव लंबे समय तक रहता है। उन्होंने चुटीले अंदाज में कहा, आज शरीर में तो शुगर बढ़ रही है, पर जुबान में मिठास घट रही है। उन्होंने कहा कि भोजन में मिठास कम-ज्यादा हो जाए तो उसका प्रभाव सीमित समय तक रहता है, लेकिन वाणी की मिठास मनुष्य के व्यक्तित्व को लंबे समय तक प्रभावित करती है।

तीसरे सूत्र के रूप में उन्होंने सत्यभाषी बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि वाणी में सत्य होना आवश्यक है, लेकिन सत्य को किस प्रकार प्रस्तुत किया जाए, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सत्य के नाम पर किसी के हृदय को चोट पहुंचाना वाणी-संयम नहीं है।

चौथे सूत्र के रूप में उन्होंने प्रियभाषी बनने की बात कही। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के शब्द सत्य भी हों और प्रिय भी हों। इष्ट, मिष्ट और शिष्ट भाषा का प्रयोग करने वाला व्यक्ति वास्तव में विशिष्ट बन जाता है। वाणी में विनम्रता, शालीनता और संवेदनशीलता व्यक्ति के व्यक्तित्व को ऊंचाई प्रदान करती है।

बोलने से पहले तीन प्रश्न स्वयं से करें

मुनिश्री ने प्रेरणा दी कि बोलने से पहले व्यक्ति स्वयं से तीन प्रश्न करेक्या यह सत्य है? क्या यह आवश्यक है? और क्या यह प्रिय ढंग से कहा जा सकता है? यदि इन तीनों कसौटियों पर वाणी खरी उतरती है तो व्यक्ति स्वयं का भी कल्याण कर सकता है और दूसरों के जीवन में भी सकारात्मकता ला सकता है।

उन्होंने कहा कि पर्युषण केवल बाहरी धार्मिक गतिविधियों का पर्व नहीं है, बल्कि अपने भीतर झांकने और आत्मशुद्धि करने का अवसर है। यदि पर्युषण के दौरान व्यक्ति अपनी वाणी को सुधार ले, क्रोध में बोलने से बच जाए, कटु शब्दों का त्याग कर दे और अपने शब्दों से दूसरों के जीवन में प्रसन्नता भरने का संकल्प ले तो यही पर्युषण की सार्थक साधना बन सकती है।

मुनिश्री काव्य कुमारजी ने वाणी-संयम की उपयोगिता बताते हुए कहा, निरर्थक मुखरता आदमी को छोटा बनाती है और मौन आदमी को उन्नति की दिशा में ले जाने वाला होता है। उन्होंने हार और नूपुर का उदाहरण देते हुए कहा कि हार को ऊंचा स्थान मिलता है और वह गले में शोभित होता है, जबकि नूपुर को पैरों में स्थान मिलता है, क्योंकि नूपुर मुखर होता है। इसी प्रकार वाणी पर संयम रखने वाला व्यक्ति ऊंचा उठता है और अधिक बोलने वाला नीचे रहता है।

उन्होंने कहा कि जीवन में मौन का भी अपना महत्व है। मौन व्यक्ति को स्वयं से मिलने का अवसर देता है। जब वाणी शांत होती है, तब मन की आवाज सुनाई देने लगती है। इसलिए आवश्यक है कि व्यक्ति केवल बाहर बोलने से ही नहीं, बल्कि भीतर चल रहे निरर्थक संवाद से भी स्वयं को मुक्त करने का प्रयास करे।

कार्यक्रम में पर्युषण महापर्व की आराधना के अंतर्गत श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने वाणी-संयम के संदेश को आत्मसात करते हुए अपनी दिनचर्या में मितभाषिता, मधुरभाषिता, सत्यभाषिता एवं प्रियभाषिता को अपनाने का संकल्प लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हथियार...

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद चोरी करने के पीछे केवल उसकी व्यक्तिगत नाराजगी थी या इस वारदात में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका रही। चोरी किए गए हथियारों को अलग-अलग स्थानों पर छिपाने और उन्हें आर्मी परिसर से बाहर ले जाने की पूरी प्रक्रिया की भी जांच की जा रही है।

तेलंगाना पुलिस ने इस मामले को बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी मल्काजगिरी पुलिस जोन, हैदराबाद सिटी पुलिस टास्क फोर्स और तेलंगाना स्टेट इंटेलिजेंस विभाग के बीच समन्वित कार्रवाई का परिणाम है। आर्मी की सुरक्षित आर्मरी से एके-203 जैसी राइफलों, पिस्तौल और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद की चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अब जांच का अगला फोकस चोरी की पूरी साजिश, हथियारों को छिपाने के उद्देश्य और संभावित सहयोगियों की भूमिका पर है।पूर्व हवलदार मल्लेश की गिरफ्तारी से हथियार चोरी की गुत्थी तो सुलझ गई है, लेकिन जांच का सबसे अहम अध्याय अभी बाकी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि उसने इतनी बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद अकेले चोरी किया या किसी और ने उसकी मदद की ।

साथ ही यह भी महत्वपूर्ण है कि सेना की आर्मरी से इतने हथियार बाहर निकालने के बाद उन्हें अलग-अलग स्थानों तक कैसे पहुंचाया गया और उन्हें छिपाने की योजना कितने समय पहले तैयार की गई थी।

फिलहाल पुलिस ने सेवा से समय से पहले सेवानिवृत्ति को लेकर नाराजगी को चोरी का प्रारंभिक मकसद बताया है। लेकिन इतने संवेद-नशील हथियारों की चोरी के मामले में जांच एजेंसियां केवल व्यक्तिगत नाराजगी तक सीमित नहीं रह सकतीं ! हथियारों की पूरी बरामदगी, संभावित सहयोगियों की भूमिका और चोरी के अंतिम उद्देश्य पर पुलिस की आगे की जांच बेहद महत्वपूर्ण होगी।

सेना की सुरक्षित आर्मरी से अत्याधुनिक राइफलें और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद चोरी होने के इस मामले ने एक साथ दो तस्वीरें सामने रखी हैंएक तरफ जांच एजेंसियों की तेजी से हुई कार्रवाई, जिसने पूर्व हवलदार तक पहुंचकर हथियार बरामद किए; दूसरी तरफ वह सुरक्षा चूक, जिसने इन हथियारों को आर्मी परिसर से बाहर निकलने का रास्ता दिया।अब नजर इस बात पर है कि गिरफ्तार पूर्व हवलदार मल्लेश के बाद जांच की अगली कड़ी किस तक पहुंचती है?

गुज'रात' ...

24 घंटे संचालन की सुविधा के साथ-साथ श्रमिकों के अधिकारों और सुरक्षा को भी बरकरार रखा जाएगा। दुकानों और प्रतिष्ठानों को सप्ताह के किसी भी दिन 24 घंटे काम करने की सुविधा मिलेगी, जो काम के घंटों, आराम के अंतराल और रोजगार की शर्तों से संबंधित लागू कानूनों के अधीन होगी। गुजरात सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सुविधा अधिनियम, 2019 : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए 'व्यवसाय का अधिकार ढांचे को और मजबूत किया जाएगा। सहकारी, बिजली, गुजरात औद्योगिक विकास निगम और सिंचाई जैसे आठ अतिरिक्त राज्य कानूनों को सुविधा-प्रदान करने वाले ढांचे के अनुरूप बनाया गया है।

गुजरात मेडिकल काउंसिल अधिनियम, 1967

अन्य राज्यों में पंजीकृत डॉक्टरों के लिए स्व-घोषणा के आधार पर गुजरात में पंजीकरण कराना आसान हो जाएगा, जिससे चिकित्सा सेवाओं और पेशेवर गतिशीलता में तेजी आएगी।

यदि समय-सीमा के भीतर सरकारी सेवा या शिकायत का निपटारा नहीं होता है, तो मामला अपने आप उच्च अधिकारी के पास चला जाए, इसके लिए तकनीक-आधारित स्वचालित अपील और 'स्वचालित उच्चस्तरीय प्रेषण' तंत्र लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 'विकसित गुजरात से विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ घोषित गुजरात औद्योगिक नीति-2026, हाल ही में चारों क्षेत्रों में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय शिखर सम्मेलनों और आगामी जनवरी में होने वाली 11वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2027 ('विकसित गुजरात 0 वैश्विक भविष्य का निर्माण') के लिए ये कानूनी सुधार एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होंगे।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा, श्रमिकों के अधिकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य से कोई समझौता किए बिना अनावश्यक प्रक्रियात्मक जटिलताओं को दूर करके गुजरात को पूरे देश और दुनिया के लिए सर्वश्रेष्ठ निवेश गंतव्य बनाने की दिशा में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

आओ एक...

क्या आप ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार की शीर्ष 10 बाधाओं को हटाने के लिए रिपोर्ट बना सकते हैं?

श्री मोदी ने इसी तरह प्रश्न किया, क्या हम हर वर्ष 100 ब्रिक्स स्टार्टअप इकाइयों को दूसरे ब्रिक्स बाजारों में विस्तार करने के लिए मदद कर सकते हैं? क्या हम अपने कारोबार जगत के बीच 1,000 नई साझेदारियां विकसित कर सकते हैं? इन तीनों मापदंडों पर हमें हर वर्ष अपनी प्रगति की समीक्षा करनी है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान भी सम्मेलन में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश मिलकर काम करेंगे तो दुनिया भर के लिए समस्याओं और जरूरतों का समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता रखते हैं। इससे पहले श्री मोदी और श्री पुतिन ने भारत-रूस व्यापार प्रदर्शनी इनोप्रोम का भी दौरा किया।

श्री मोदी ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए वैश्विक व्यापार के विस्तार के लिए समुद्री नौवहन मार्गों की आजादी और नाविकों की सुरक्षा को जरूरी बताया और कहा कि भारत इन बातों का दृढ़ समर्थक है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में जब व्यापार की राहों में बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत व्यापार समझौतों के माध्यम से आर्थिक संपर्क सेतुओं का निर्माण कर रहा है। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स देशों की क्षमता और ताकत का सम्मिलित रूप से इस्तेमाल कर वैश्विक समस्याओं का समाधान निकालने का आह्वान किया।

समुद्री मार्ग सुरक्षित और आपूर्ति की राहें खुली हो

दुनिया में व्यापार के विस्तार के लिए समुद्री मार्गों को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर बल देते हुए श्री मोदी ने कहा, ''दुनिया में व्यापार आगे तभी बढ़ सकता है जब समुद्री मार्ग सुरक्षित हों, आपूर्ति की राहें खुली हों और नाविक सुरक्षित हों। इसीलिए भारत नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का दृढ़ समर्थक है।''

उन्होंने ये बातें ऐसे समय कही हैं, जबकि पश्चिम एशिया में होर्मूज जलडमरूमध्य में जहाजों का आना-जाना अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रुक-सा गया है।इसके अलावा अमेरिका तथा कुछ अन्य देश दूसरे देशों के खिलाफ व्यापार में ऊंचे शुल्क और अन्य प्रतिबंधात्मक उपाय करने में लगे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया में आज जब व्यापार की राह में बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत विभिन्न बाजारों के साथ आर्थिक संपर्क सेतु का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भारत ने करीब 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं।

उन्होंने कहा, ब्रिक्स समूह में भी हमारी सोच यही है, बाधाओं को कम करना और कारोबार के लिए अवसर बढ़ाना।

कृषि, स्वास्थ्य और कौशल विकास में सहयोग के नए नेटवर्क

उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में समूह ने कृषि, स्वास्थ्य, कौशल विकास और स्मार्ट ग्रिड जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए नेटवर्क का गठन किया है। स्टार्टअप और लघु तथा मध्यम उद्यमों को बाजार और कर्ज सुविधाओं से जोड़ने के लिए हमने ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क, ब्रिक्स लघु एवं मध्यम उद्यम पोर्टल और ब्रिक्स स्टार्टअप नवाचार कोष जैसी पहलें की हैं। उन्होंने कहा कि ये पहलें समूह के देशों के बीच निवेश एवं कौशल के आदान-प्रदान को बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं।

भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स की चर्चाओं के मुख्य विषय दृढ़ता, नवाचार, सहयोग और निरंतरता का निर्माण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने इस मंत्र को अपनी अर्थव्यवस्था और व्यापार नीति का आधार बनाया है।

दृढ़ता की बात करें तो भारत ने ईंधन से लेकर आपूर्ति शृंखला तक को अधिक विविधीकृत और भरोसेमंद बनाया है। इसी दृढ़ता का परिणाम है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत आज वृद्धि और निरंतरता का भरोसा दे रहा है। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर सेमीकंडक्टर, क्वांटम और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में भारत वैश्विक निवेशकों के लिए नए अवसरों का केंद्र बन रहा है।

जी-7 पर निशाना...

इसके साथ ही पुतिन ने पश्चिमी देशों पर रूस पर अनुचित प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया और कहा कि इन प्रतिबंधों के बावजूद मॉस्को ने अपना आर्थिक प्रदर्शन बनाए रखा है।ब्रिक्स बिजनेस फोरम के प्रमुखों के सत्र में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा, आज दुनिया अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आपूर्ति शृंखला में रुकावट और राजनीतिक दबाव बनाने के लिए आर्थिक साधनों का बढ़ता इस्तेमाल, इन सबने उस आर्थिक माहौल को और जटिल बना दिया है, जिसमें देश काम करते हैं।उन्होंने कहा, सवाल यह है कि इन चुनौतियों पर ब्रिक्स का क्या जवाब है? हमारा मानना है कि ब्रिक्स की असली ताकत सिर्फ उसके सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था के आकार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तब और साफ तौर पर दिखती है जब इन क्षमताओं को व्यापार, निवेश और संयुक्त वित्तपोषण के नेटवर्क में बदला जाता है। यानी संभावित सहयोग से वास्तविक कामकाजी सहयोग की ओर बढ़ना।

पुतिन को खास भेंट ...

और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम करेगी।

तिरुक्कुरल तमिल साहित्य की सबसे महान और विश्व प्रसिद्ध रचनाओं में से एक है। इसे 'तमिल वेद' भी कहा जाता है। इस पुस्तक का रूसी समेत कई भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। इस किताब को करीब 2,000 साल पहले लिखा गया था। तिरुक्कुरल दुनिया भर में मशहूर कवि तिरुवल्लुवर द्वारा लिखे गए गहरे अर्थ वाले दोहों का एक उत्कृष्ट तमिल साहित्यिक ग्रंथ है। तिरुक्कुरल का दुनिया भर की कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है। तिरुक्कुरल तमिल भाषा का एक प्राचीन नैतिक साहित्य है, जो पाठकों को जीवन, मृत्यु और इनके बीच की हर चीज के बारे में सीख देता है। 2,000 साल से भी पहले कवि-दार्शनिक तिरुवल्लुवर द्वारा लिखे गए 133 अध्यायों में मौजूद 1,330 दोहे रोजमर्रा की जिंदगी के लिए सबसे बेहतरीन मार्गदर्शकों में से एक माने जाते हैं। तमिल लोग तिरुवल्लुवर को एक प्राचीन संत, कवि और दार्शनिक के तौर पर बहुत सम्मान देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कई भाषणों में उनका उल्लेख किया है।

लोकल करेंसी...

गोयल ने ब्रिक्स देशों से एक-दूसरे के उत्पादों के लिए अपने बाजार खोलने का आग्रह किया। साथ ही स्थानीय मुद्रा में व्यापार को लेकर भी जोर दिया। उद्योग मंत्री ने कहा कि मैं ब्रिक्स सदस्य देशों और साझेदार देशों से आग्रह करता हूं कि वे अपने बाजारों को खोलें तथा नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और माल की ढुलाई को सुविधाजनक बनाने के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिक्स उन उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, जिन्हें भारत दुनिया के सामने पेश करना चाहता है।उन्होंने कहा कि ब्रिक्स वैश्विक व्यापार का एक चौथाई हिस्सा है। भारत ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। इंजीनियरिंग सामान और इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा हैं। भारत को दुनिया की औषधि राजधानी के रूप में भी जाना जाता है।उन्होंने आगे कहा कि साझेदारों के बीच व्यापार व्यापक, निष्पक्ष और विविध आपूर्ति शृंखला वाला होना चाहिए और यह व्यापार किसी भी स्थिति में समूह के सदस्यों के विकास और कल्याण में बाधा नहीं बनना चाहिए।

सऊदी पीठ ...

यह टकराव 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के बाद से सबसे गंभीर तनाव है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने गुरुवार को ट्रंप को दो बार फोन करके हूतियों के खिलाफ हमले करने के लिए कहा। उन्हें राष्ट्रपति ट्रंप से साफ ना सुनने को मिली। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ट्रंप का फिलहाल सीधे तौर पर दखल देने का कोई इरादा नहीं है। अपनी पहली बातचीत में मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप को बिगड़ते हालात के बारे में बताया, क्योंकि हूती सेनाएं तटीय शहर मोखा की ओर बढ़ रही थीं। कुछ घंटों बाद मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप को फिर फोन किया और उनसे हूतियों के खिलाफ अमेरिकी हमले का आदेश देने को कहा। ऐसा तब था, जब सऊदी समर्थित यमन की सरकारी सेना पीछे हट रही थी।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप एक और सैन्य मोर्चा खोलने को लेकर सतर्क थे, क्योंकि बातचीत के कई दौर और युद्धविराम के बावजूद ईरान के साथ टकराव जारी था। हालांकि, अमेरिका ने सऊदी अरब को हूतियों के बारे में खुफिया जानकारी देने का भरोसा दिलाया है।ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ईरान के समर्थित संगठन के खिलाफ बड़ी लड़ाई की जिम्मेदारी अपने क्षेत्रीय सहयोगियों पर छोड़ना चाहता था। अधिकारी ने कहा, ट्रंप का निर्देश है कि अमेरिकी सेनाओं का ध्यान ईरान और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा पर केंद्रित रहे।

लेकिन पश्चिम एशिया के इस टकराव की वजह से कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई हैं। इसलिए यह देखना बाकी है कि अमेरिका इस टकराव से कब तक दूर रह सकता है।

ट्रंप का यह रुख तब सामने आया, जब पाकिस्तान हूतियों के खिलाफ अपनी बहुचर्चित सैन्य धमकी से पीछे हटता हुआ दिखा है और मक्का समझौते पर अमल करने में हिचक रहा है।

पाकिस्तान पीछे हटा, मक्का समझौता खटाई में

इस सप्ताह की शुरुआत में ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान सऊदी अरब की मदद के लिए आगे आएगा। बुधवार को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि अगर यमन का संघर्ष सऊदी अरब तक फैला तो मक्का समझौता सक्रिय हो जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान इस समझौते की शर्तों और नियमों से बंधा हुआ है।

पिछले महीने 7 अगस्त को सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत किसी एक सदस्य पर होने वाले सशस्त्र हमले को तीनों पर हमला माना जाएगा।

आसिफ की यह चेतावनी तब आई, जब हूती विद्रोहियों ने दक्षिणी सऊदी अरब की ओर दर्जनों ड्रोन और मिसाइलें दागीं, जिससे 70 से अधिक आम नागरिक घायल हो गए और कई तेल ठिकानों पर आग लग गई।इसके 24 घंटे के भीतर ही पाकिस्तान का असली रुख सामने आ गया।

ईडी की बड़ी...

ईडी का आरोप है कि जांच के दौरान चंदन सिंह जीना की ओर से बड़ी रकम नकद खर्च किए जाने की जानकारी सामने आई, लेकिन इन खर्चों का कोई स्पष्ट स्रोत नहीं बताया गया। एजेंसी के मुताबिक, बरामद नकदी और नकद खर्च उनकी ज्ञात आय के स्रोत से मेल नहीं खाते।

इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने सोशल मीडिया पर लिखा
ज़िंदगी के एक अजीब मँझधार में फँसा हूँ। अपनी सच्चाई की नाव में लगभग अकेला खड़ा हूँ। बचाया है हमेशा मुझे तूफ़ान की मौज ने, वरना किनारे वालों ने तो कब का मेरा सफ़ीना डुबा दिया होता।इस मुश्किल मोड़ पर, हे इष्ट देव अब आप ही बताओ, आख़िर मेरी है क्या ख़ता?

ईडी की धनशोधन जांच उत्तराखंड पुलिस और विजिलेंस ब्यूरो की चार प्राथमिकी से शुरू हुई है। ये प्राथमिकी साल 2016 में यूकेएसए-सएससी की ओर से आयोजित ग्राम पंचायत विकास अधिकारी परीक्षा में कथित अनियमितताओं से जुड़ी हैं।

ईडी के मुताबिक, जांच में ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए हैं। एजेंसी का दावा है कि यूकेएसएसएससी की सुरक्षित अभिरक्षा में रखी ओएमआर शीट को कथित तौर पर तत्कालीन सचिव के निजी आवास तक पहुंचाया गया।

ईडी के अनुसार, तत्कालीन सचिव के आवास पर उन ओएमआर शीट के अनुक्रमांक नोट किए गए, जिनमें उत्तर वाले हिस्से पूरी तरह नहीं भरे गए थे। इसके बाद ये अनुक्रमांक निजी कंप्यूटर एजेंसी के कर्मचारियों को दिए गए।एजेंसी का आरोप है कि निजी कंप्यूटर एजेंसी के कर्मचारियों ने कथित तौर पर इन ओएमआर शीट में उत्तर के गोले भरने और उनमें बदलाव करने का काम किया। इसके बाद शीट को दोबारा सील किया गया। ईडी का दावा है कि यह पूरा काम अवैध रकम के बदले किया गया और इस रकम को कथित बिचौलियों के जरिए पहुंचाया गया।ईडी ने देहरादून में जिन जगहों पर तलाशी ली, उनमें यूकेएसएसएससी के तत्कालीन अध्यक्ष, सचिव और परीक्षा नियंत्रक से जुड़े परिसर शामिल हैं। इसके अलावा उस निजी कंप्यूटर एजेंसी के मालिक के ठिकाने पर भी तलाशी ली गई, जिस पर ओएमआर शीट की प्रक्रिया का काम किया गया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 12 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

ईसीआईएल के वित्त निदेशक को 'मोस्ट इन्फ्लुएंशियल सीएफओ' पुरस्कार

वित्तीय नेतृत्व और कॉर्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्ट योगदान

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री प्रोतीक के. चक्रबर्ती, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के निदेशक (वित्त) को 9 सितंबर 2026 को बेंगलुरु में टाइम्स एस्पायर द्वारा आयोजित एशिया लीडरशिप समिट एंड अवॉर्ड्स 2026 में प्रतिष्ठित मोस्ट इन्फ्लुएंशियल सीएफओ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

श्री चक्रबर्ती एक अनुभवी वरिष्ठ वित्त कार्यकारी हैं, जिनके पास कॉर्पोरेट वित्त, लेखा और पावर सेक्टर नियमों के कई क्षेत्रों में 32 वर्षों से अधिक का विविध अनुभव है। उन्होंने रांची के सेंट जेवियर्स कॉलेज से कॉमर्स में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। वे इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) दोनों के विशिष्ट सदस्य भी हैं।

यह विशिष्ट सम्मान उन असाधारण मुख्य वित्तीय अधिकारियों को दिया जाता है, जिन्होंने पूरे एशिया में दूरदर्शी वित्तीय नेतृत्व, रणनीतिक दूरदर्शिता, कॉर्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता, नवाचार और संगठनात्मक विकास तथा दीर्घकालिक मूल्य सृजन में महत्वपूर्ण योगदान प्रदर्शित किया है।

एशिया लीडरशिप समिट एंड अवॉर्ड्स 2026 में पूरे एशिया से सीईओ, व्यवसायिक नेता, उद्यमी, नीति निर्माता, निवेशक और उद्योग विशेषज्ञों का एक प्रतिष्ठित जमावड़ा हुआ, जिसने उत्कृष्ट नेतृत्व और व्यावसायिक उत्कृष्टता को मान्यता देने तथा मनाने के लिए एक प्रमुख मंच प्रदान किया।

श्री प्रोतीक के. चक्रबर्ती को मिला यह सम्मान ईसीआईएल में वित्तीय प्रबंधन, गवर्नेंस और रणनीतिक विकास को मजबूत करने में उनके नेतृत्व और योगदान को दर्शाता है।

सीएसआईआर–आईआईसीटी के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी का फेलो चुना गया

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह को रासायनिक विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी) का फेलो चुना गया है। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (नासी) भारत की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी है, जिसकी स्थापना 1930 में हुई थी।

डॉ. सिंह को 3 दिसंबर 2026 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में आयोजित होने वाले 96वें वार्षिक सत्र एवं संगोष्ठी के दौरान एफएनएएससी के रूप में शामिल किया जाएगा।

डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह का समूह रासायनिक उद्योग और ऊर्जा क्षेत्रों में अनुप्रयोगों के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्रियों के विकास पर कार्य करता है। बुनियादी तथा अनुप्रयुक्त शोध में उनके योगदान की मान्यता स्वरूप उन्हें आईएनएसए डिस्टिंग्विशड फेलो 2025, आईएनएसए एसोसिएट फेलो 2024, सीआरएसआई ब्रॉन्ज मेडल 2024, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया द्वारा नासी–यंग साइंटिस्ट प्लेटिनम जुबली अवॉर्ड, एवीआरए यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड, उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड तथा इंडो–यू.एस. साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम (आईयूएसएसटीएफ) द्वारा भास्कर एडवांस्ड सोलर एनर्जी (बेस) फेलोशिप से सम्मानित किया गया है।

डॉ. सिंह उन कुछ वैज्ञानिकों में से हैं, जिन्हें प्रतिष्ठित केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई मेडल) और मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमआरएसआई मेडल) दोनों सम्मान प्राप्त हुए हैं।

सीएसआईआर–आईआईसीटी में डॉ. सिंह का समूह ट्रांसलेशनल रिसर्च में संलग्न रहा है। उन्होंने आणविक रूप से इंजीनियर किए गए विभिन्न प्रकार के फोटोसेंसिटाइजर्स विकसित किए और उन्हें डाइ सेंसिटाइज्ड सोलर सेल्स, ऑर्गेनिक सोलर सेल्स तथा पेरोवस्काइट सोलर सेल्स जैसे विभिन्न फोटोनिक उपकरणों में लागू किया। उनका शोध कार्य अंतर–अनुशासनात्मक है तथा कार्बनिक रसायनज्ञों, सामग्री वैज्ञानिकों और डिवाइस इंजीनियरों के सहयोग से किया जाता है। पहली बार उन्होंने न्यूट्रल रूम टेम्परेचर पर स्थिर, गैर–विषैले और अत्यधिक फ्लोरोसेंट बीओडीआईपीवाई डाईज को माइटोकॉन्ड्रिया ट्रैकर्स के रूप में विकसित किया है। यह प्रक्रिया प्रौद्योगिकी जापानी कंपनी टीसीआई को हस्तांतरित की गई है। उन्होंने जेएसीएस, एंज्यू. केम., एडव. फंक्ट. मैट., केम. कम्यून. आदि जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 225 से अधिक उत्कृष्ट शोध पत्र प्रकाशित किए हैं तथा सामाजिक कल्याण में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

सिखवाल प्रगति समाज ने नवनिर्वाचित मंत्री मंडल का किया सम्मान

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल प्रगति समाज हैदराबाद की ओर से श्री सिखवाल समाज सिकंदराबाद के नवनिर्वाचित मंत्री मंडल के सम्मान में सिखवाल भवन, रंगरेज बाजार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रगति समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला एवं युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संदीप जायलवाल के नेतृत्व में वर्तमान मंत्री मंडल के साथ पूर्व मंत्री मंडल के सदस्यों का भी सम्मान किया गया। साथ ही मुख्य चुनाव अधिकारी पं. रामेश्वरलाल का भी स्वागत किया गया।

सम्मान समारोह में वर्तमान मंत्री मंडल के अध्यक्ष नटवरलाल व्यास, महामंत्री भगीरथ पांडिया तथा सह मंत्री कमलकिशोर पांडिया रेखावत को शाल व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार उपाध्याय, पूर्व महामंत्री तुलसीराम व्यास तथा पूर्व कोषाध्यक्ष किशोर उपाध्याय का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना की ओर से प्रकोष्ठ के रामदेव नागला एवं अध्यक्ष नरेश पांडे ने भी वर्तमान मंत्री मंडल का स्वागत किया।

समारोह में हैदराबाद से रामदेव नागला, संदीप जायलवाल, नरेश पांडे, विजय शर्मा पांडे, जुगलकिशोर उपाध्याय, पवन पुरोहित, बाबूलाल जोशी, चेतन तिवारी, कैलाश पांडिया इंदौरवाले, दिनेश पांडिया दीपावत, कन्हैयालाल उपाध्याय कायत, रवि भाकरोत तथा सिकंदराबाद से लक्ष्मीनारायण कोलरिया, बाबूलाल पांडिया, श्यामसुंदर पांडिया, नरेश कोलारिया, विनोद उपाध्याय, राजेश व्यास, महेश व्यास, नंदकिशोर व्यास सहित बड़ी संख्या में स्वजाति बंधु उपस्थित रहे।

प्रगति समाज के रामदेव नागला ने नवनिर्वाचित मंत्री मंडल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाजहित के प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने मंत्री मंडल को ऐसे कार्य करने की सलाह दी, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुंच सके। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को समाज की एकता, विकास और हित के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने की शुभकामनाएं दीं।

भाद्रपद अमावस्या पर सेवा-संस्कारों की परंपरा को आगे बढ़ाना हमारा दायित्व : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में भाद्रपद अमावस्या के पावन अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा एवं मानवता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनीता अग्रवाल ने कहा कि भाद्रपद अमावस्या का सनातन संस्कृति और हिंदू समाज में विशेष धार्मिक महत्व है। विशेष रूप से मारवाड़ी समाज का इस पावन तिथि से गहरा लगाव रहा है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज की पहचान केवल व्यापार और समृद्धि से नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, पर–ोपकार और धार्मिक आस्था से भी है। अमावस्या जैसे पावन अवसरों पर दान–पुण्य, गौ सेवा और जरूरतमंदों की सहायता करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है।

सुनीता अग्रवाल ने कहा कि भाद्रपद अमावस्या हमें अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़ने के साथ–साथ समाज के प्रति अपने दायित्व को निभाने की प्रेरणा देती है। जीवन में कितनी भी व्यस्तता क्यों न हो, हमें अपनी परंपराओं को केवल पूजा–पाठ तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें सेवा और परोपकार के माध्यम से सार्थक बनाना चाहिए।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, पाबुराम कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, राजेश नथानी, अनिता नथानी सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

भाद्रपद अमावस्या के अवसर पर आयोजित यह अन्नदान कार्यक्रम धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सरोकार और मानव सेवा का संदेश देने वाला रहा।

विश्व मंगल गौशाला में पिठोरी भाद्रपद अमावस्या कार्यक्रम धूमधाम से मनाया

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व मंगल गौशाला में पिठोरी भाद्रपद अमावस्या का कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान से पधारे सियाराम जी महाराज, जोधपुर ब्रह्मदेव महाराज तथा प्रभु भारती महाराज द्वारा भजन प्रस्तुति दी गई। भजनों के दौरान गौभक्तों ने श्रद्धा के साथ भाग लिया और धार्मिक वातावरण भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम में भोजन प्रसादी की व्यवस्था सोहनलाल सीरवी, डूंगाराम सीरवी, नारायण, विक्रम सुथार, धनराज सीरवी तथा रतन सोलंकी द्वारा की गई। वहीं हरे घास की व्यवस्था आईदान राम सुथार, हंसराज सुथार, रामदेव गौ सेवा समिति निजामपेठ तथा सज्जू भाई द्वारा की गई।

कार्यक्रम में अमराराम, महिला भजन मंडली, गंदीमैसम्मा, माजीसा एंटरप्राइजेज, महावीर, दिनेश कुमार कोलू, जोधाराम सीरवी, सवाई राम सुथार, सुरेश कुमार सुथार, सेसाराम मेडचल, रतनाराम देवासी, भूंडाराम सीरवी, केसाराम, जोगाराम सीरवी, कल्याण सिंह, कार्तिक, मुनीराबाद, झूमर राम सुथार, नंदी मार्केटिंग, सुरेश भाई, पेमाराम सीरवी, महेंद्र सिंह, खेताराम जाट, ओम प्रकाश, बगदाराम देवासी, दलपत परिहारिया, संतोष कुमार, डूंगाराम सीरवी, प्रकाश नाथ, अमर नाथ, रविंद्र सुथार आदि गौभक्तों ने सहभागिता की।

गौशाला की ओर से सभी गौभक्तों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष टी.वी. सुरेश, उदय भास्कर, मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार, धर्माराम सुथार, रवींद्र शेखर तथा वेंकट रेड्डी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बालाजी नगर स्थित श्री गौशाला में भाद्रपद अमावस्या के अवसर पर भक्तों द्वारा गौसेवा की गई। इस अवसर पर आयोजित भजन कार्यक्रम में श्री आई माताजी भजन मंडली की ओर से भक्तिमय गीत प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर गौशाला के मंगलाराम पंवार, कालुराम काग, हुक्माराम सानपुरा, ढगलाराम सेपटा, भंवरलाल मुलेवा, डायाराम लचेटा, भगाराम मुलेवा, अर्जुनलाल बर्फा, कालुराम काग चिंतल, एन.आर. पटेल, घनश्याम पटेल, नारायणलाल, चोलाराम हाम्बड़, मोतीलाल काग, गणेशराम बर्फा सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य गौभक्त उपस्थित रहे।कार्यक्रम स्थल पर भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई। समस्त गौभक्तों ने श्रद्धापूर्वक गौसेवा कर धार्मिक लाभ प्राप्त किया।

फ्यूचर सिटी ट्रैफिक कर्मियों को सुरक्षा किट वितरित

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फ्यूचर सिटी ट्रैफिक डीसीपी शिवम उपाध्याय, आईपीएस ने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की सुरक्षा, तैयारियों और कार्यक्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से आवश्यक सुरक्षा किट वितरित कीं। किट में रेनकोट, परावर्तक जैकेट, हेलमेट, बैटन, जंगली जूते, बारिश के जूते, चश्मे, पानी की बोतल, बैग और दस्ताने शामिल हैं।

इस अवसर पर डीसीपी ने कहा कि ट्रैफिक कर्मी विभिन्न मौसम और कठिन यातायात परिस्थितियों में लंबे समय तक सड़कों पर ड्यूटी करते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी कर्मियों से सुरक्षा उपकरणों का उचित उपयोग करने तथा सड़क सुरक्षा, सुचारु यातायात व्यवस्था और आम जनता की सुविधा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

एशियन फिनस्विमिंग चैंपियनशिप–2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने से पहले गरिमा मिश्रा ने चारमीनार स्थित प्रसिद्ध श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर पहुंचकर माँ भाग्यलक्ष्मी का आशीर्वाद लिया। अंडरवाटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में चीन में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में गरिमा भारत के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तिरंगा लहराने का संकल्प लेकर रवाना होंगी।

गणेश उत्सव से पहले सड़क, स्ट्रीट लाइट और जल निकासी की समस्याएं दूर करे नगर निगम : राजा सिंह

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में गणेश उत्सव को सफलतापूर्वक आयोजित करने के संबंध में नगर निगम, पुलिस विभाग, जलापूर्ति एवं सीवरेज विभाग तथा गणेश मंडप आयोजकों और युवा कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में गणेश मंडप आयोजकों और कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में सड़क पर हुए गड्ढों, पैचवर्क, स्ट्रीट लाइट, मलबे, पेड़ों की कटाई, विद्युत तारों की ऊंचाई तथा जल निकासी के पानी के ओवरफ्लो जैसी गंभीर समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं।

इस अवसर पर विधायक राजा सिंह ने कहा कि पिछले बोनाल उत्सव के दौरान भी नगर निगम की तैयारियां पूरी तरह विफल रही थीं। कम से कम इस वर्ष गणेश उत्सव के दौरान ऐसी लापरवाही दोबारा नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बारिश के कारण सड़कों पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। गणेश उत्सव और शोभायात्रा से पहले इन सभी गड्ढों का सीसी पैचवर्क किया जाना चाहिए। स्ट्रीट लाइट की मरम्मत, आवश्यक पेड़ों की कटाई, विद्युत तारों की ऊंचाई से संबंधित समस्याओं तथा जल निकासी के पानी के ओवरफ्लो को भी उत्सव से पहले ही ठीक किया जाना चाहिए, न कि उत्सव समाप्त होने के बाद।

बैठक के बावजूद कई स्थानों पर काम का अनुमान तक तैयार नहीं

राजा सिंह ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि लगभग 15 दिन पहले मंत्री, नगर निगम आयुक्त और संबंधित अधिकारियों की आधिकारिक बैठक होने के बावजूद अभी तक कई स्थानों पर आवश्यक कार्यों का अनुमान तक तैयार नहीं हुआ है और न ही काम स्वीकृत हुआ है।

उन्होंने सवाल किया कि जब गणेश उत्सव कुछ ही दिनों में है, तो इस प्रकार की प्रशासनिक लापरवाही के बीच गणेश उत्सव और शोभायात्रा को सुरक्षित एवं भव्य तरीके से कैसे आयोजित किया जा सकता है?

राजा सिंह ने कहा, भगवान न करे, अगर शोभायात्रा के दौरान किसी सड़क के गड्ढे में गणेश प्रतिमा लेकर जा रहे वाहन का टायर उतर जाए और गणेश महाराज की प्रतिमा श्रद्धालुओं के बीच गिर जाए, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

उन्होंने नगर निगम आयुक्त से सवाल किया कि इतनी गंभीर लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए जवाबदेह क्यों नहीं बनाया जा रहा है?

राजा सिंह ने कहा कि रमजान और बकरीद जैसे त्योहारों के लिए प्रशासन द्वारा पहले से तैयारियां की जाती हैं और आवश्यक कार्य समय पर पूरे किए जाते हैं। उसी प्रकार हिंदू त्योहारों के लिए भी प्रशासन को समान गंभीरता और तत्परता दिखानी चाहिए। किसी भी धार्मिक त्योहार के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।

उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से अपील करते हुए कहा कि गणेश उत्सव की शोभायात्रा से पहले पूरे शहर में सड़क पैचवर्क, पेड़ों की कटाई, विद्युत तारों की ऊंचाई, स्ट्रीट लाइट और जल निकासी के पानी के ओवरफ्लो जैसी सभी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि यदि गणेश उत्सव से पहले संबंधित अधिकारी अपने-अपने विभाग की जिम्मेदारी पूरी करने में विफल रहते हैं तो लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ तत्काल निलंबन सहित कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

राजा सिंह ने कहा कि कुछ लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होने से भविष्य में किसी भी धर्म के त्योहारचाहे हिंदू हो या मुस्लिमके दौरान अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, मैं सभी अधिकारियों से अपील करता हूं कि वे अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से निभाएं। त्योहार खत्म होने के बाद काम करने का कोई अर्थ नहीं है।

काम त्योहार और शोभायात्रा से पहले पूरा होना चाहिए। जो अधिकारी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाते, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

दत्तात्रेय ने प्रह्लाद जोशी और बी.एल. संतोष को दिया अलाय बलाय का निमंत्रण

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर दत्तात्रेय ने दोनों नेताओं को अलाय बलाय फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाले वार्षिक 'अलाय बलाय' समारोह में शामिल होने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि अलाय बलाय समारोह का आयोजन प्रतिवर्ष तेलंगाना की संस्कृति, परंपराओं, कला एवं साहित्य को बढ़ावा देने तथा लोगों के बीच मित्रता और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जाता है।

निमंत्रण स्वीकार करते हुए प्रल्हाद जोशी और बी.एल. संतोष ने अलाय बलाय-2026 समारोह में निश्चित रूप से शामिल होने का आश्वासन दिया।

उन्होंने समारोह के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

आगामी 14 सितंबर से गणेश पूजा के शुभारंभ के अवसर पर एनकेएस यूथ एसोसिएशन की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ऑटोनगर में गणेश उत्सव का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार को एसोसिएशन के संरक्षक एन.के. सिंह एवं अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने एल.बी. नगर की पुलिस उपायुक्त बी. अनुराधा, आईपीएस से भेंट कर उन्हें अन्नप्रसाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

सितंबर फैशन स्पेशल हाईलाइफ प्रदर्शनी 19 से

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ एग्जीबिशन - देश का सबसे बड़ा फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशन ब्रांड हाईलाइफ एग्जीबिशन सितंबर फैशन स्पेशल पेश करने जा रहा है, जिसमें फैशन, ज्वेलरी, लाइफस्टाइल एवं अन्य कई आकर्षक वस्तुएं शामिल होंगी। यह प्रदर्शनी 19, 20 और 21 सितंबर 2026 को एचआईसीसी, नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में आयोजित होगी।

हाईलाइफ एग्जीबिशन में 350 से अधिक डिजाइनर क्रिएटिव डिजाइनर फैशन वियर, ब्राइडल वियर, ज्वेलरी, एक्सेसरीज एवं बहुत कुछ प्रदर्शित करेंगे। अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा, कई फैशन प्रेमी और मॉडल्स ने हाईलाइफ एग्जीबिशन के भव्य फैशन शोकेस - तिथियों की घोषणा समारोह की शोभा बढ़ाई। हाईलाइफ एग्जीबिशन में क्रिएटिव फैशन वियर, लाइफस्टाइल वियर, ब्राइडल वियर, डिजाइनर वियर, एक्सेसरीज, ज्वेलरी एवं अन्य आकर्षक संग्रह प्रस्तुत किए जाएंगे।

हाईलाइफ एग्जीबिशन देश की अपनी तरह की सबसे बड़ी फैशन एंड लाइफस्टाइल प्रदर्शनी है। इसका कारण इसके टॉप फैशन लेबल्स, टॉप डिजाइनर और कलात्मक संग्रह हैं, जो इसे खरीदारों के लिए अवश्य देखने योग्य प्रदर्शनी बनाते हैं।

श्री रामदेव बाबा मित्र मंडल की पैदल यात्रा कल

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री रामदेव बाबा मित्र मंडल के तत्वावधान में आगामी 13 सितंबर 2026 को सुबह 4 बजे भव्य पैदल यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा चाकना वाड़ी, गोशामहल से प्रारंभ होकर शिवरामपल्ली स्थित बाबा के दरबार तक जाएगी। पैदल यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु बाबा के दरबार में पहुंचकर दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

आयोजकों ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पैदल यात्रा को सफल बनाने की अपील की है।

गणेश उत्सव में डीजे पर रोक, रात 10 बजे तक माइक की अनुमति

पेद्दापल्ली, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोदावरीखानी पुलिस ने गणेश नवरात्रि उत्सव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए डीजे संचालकों और मालिकों के साथ बैठक की। इंस्पेक्टर इंद्रसेना रेड्डी ने स्पष्ट किया कि उत्सव के दौरान डीजे साउंड सिस्टम के उपयोग की अनुमति नहीं है। आयोजकों को सामान्य साउंड सिस्टम का उपयोग करने तथा माइक रात 10 बजे तक ही चलाने के निर्देश दिए गए।

तिलक रोड स्थित तेलंगाना सारस्वत परिषद सभागार में पुलिस विभाग की ओर से श्री गणेश पंडाल आयोजकों के साथ संवाद बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसएचओ नरेश का सम्मान करते हुए रिद्धिश जागीरदार, भारती बेन पटेल एवं अन्य उपस्थित रहे।

अमावस्या के अवसर पर अग्रवाल समाज नाचाराम-मल्लापुर शाखा की ओर से मल्लापुर मेन रोड स्थित गोयल स्टील के पास अन्नप्रसादम कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'मानव सेवा ही माधव सेवा' के आदर्श को समर्पित इस आयोजन में समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर अध्यक्ष- प्रदीप कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष- सतनारायण अग्रवाल,मंत्री- प्रवीण कुमार अग्रवाल अमावस्या संयोजक - सुरेश जीतपुरिया सदस्य - सुनील कुमार अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, विकास गुप्ता, रितेश अग्रवाल, श्यामलता अग्रवाल व अन्य उपस्थित थे!

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.